सच्ची बात, पाठकों के साथ
नागपुर, मंगलवार 6 मई 2025
@ www.rashtrabaan.in
। पृष्ठ :8 । वर्ष :2 । अंक : 190। मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

बाबा बर्फानी के भक्त हमेशा ही भोलेनाथ के खास दर्शन के लिए आतुर रहते हैं और इस बार अमरनाथ यात्रा शुरू होने से 2 महीने पहले ही भगवान शिव के बर्फ से बनने वाले शिवलिंग के दर्शन हो रहे हैं. लेकिन कुछ भक्त पहले ही पवित्र गुफा तक जाने में कामयाब हो चुके हैं और यह फोटो उन्होंने ही गुफा पर लिए हैं. पंजाब के रहने वाले यह भक्त कुछ दिन पहले गुफा के दर्शन के लिए गए थे. अभी तक कोई भी श्राइन बोर्ड का अधिकारी या सुरक्षा कर्मी तक गुफा नहीं पहुंच सके हैं. इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए तैयारियां शुरू हो गयी है और यात्रा के रास्ते पर बर्फ को साफ करने का काम शुरू किया गया है. हालांकि, पूरे रस्ते पर भारी बर्फबारी के चलते इस काम में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को श्रीनगर के पंथा चौक में अमरनाथ यात्रा ट्रांजिट कैंप पर जाकर यात्रा के लिए होने वाली तैयारियों की समीक्षा की. अभी तक 3 लाख 60 हजार से ज्यादा लोग अब तक यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं और इस में और ज्यादा बढ़ोतरी होने की भी उम्मीद है. अभी भी पूरे रास्ते पर 10 से 20 फीट बर्फ मौजूद है. यह तस्वीरें पंजतरणी और शेषनाग में ली गई हैं. इस साल की अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हो रही है और 19 अगस्त को रक्षा बंधन दिन समाप्त होगी.

भारत-पाक में तनाव चरम पर, केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश

राज्य करें मॉक ड्रिल

नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए

देशभर में कल बजेंगे हवाई हमले की चेतावनी वाले सायरन

नई दिल्ली. भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है. एक तरफ तो पाकिस्तान में संसद की बैठक चल रही है तो वहीं, दूसरी तरफ भारत में केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने सोमवार 5 अप्रैल 2025 को बड़ा कदम उठाते हुए देश के राज्यों को नागरिकों की सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल करने के निर्देश जारी किए हैं. गृह मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया कि राज्य 7 मई 2025 को प्रभावी तरीके से नागरिक सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन करें . सूत्रों के अनुसार, इस अभ्यास के दौरान एयर रेड वार्निंग सायरन बजाए जाएंगे और आम नागरिकों व छात्रों को इस बात की ट्रेनिंग दी जाएगी कि दुश्मन के हमले के वक्त खुद की सुरक्षा कैसे करें.

1971 में भी दिखा था ऐसा ही मंजर

केंद्र सरकार के आदेश का समय बहुत महत्वपूर्ण है. पिछली बार ऐसा अभ्यास 1971 में किया गया था, जिस साल भारत और पाकिस्तान के बीच 2 मोर्चों पर युद्ध हुआ था. बता दें कि पहलगाम हमले के बाद, जिसमें पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी. उसके बाद दोनों देशों की कश्मीर से लगती सीमा पर तनाव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है. पाकिस्तान ने लगातार 11 रातों से नियंत्रण रेखा पर भारतीय चौकियों पर गोलीबारी की है. भारत ने इस्लामाबाद की बार-बार सीमा पार से की गई गोलीबारी का कड़ा जवाब दिया है.

1. हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन.
2. शत्रुतापूर्ण हमले की स्थिति में खुद को बचाने के लिए नागरिक सुरक्षा पहलुओं पर नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षण.
3. क्रैश ब्लैक आउट उपायों का प्रावधान.
4. महत्वपूर्ण संयंत्रों/प्रतिष्ठानों को समय से पहले छिपाने का प्रावधान
5. निकासी योजना का अद्यतनीकरण और उसका पूर्वाभ्यास

UN चीफ ने भी की पहलगाम हमले की निंदा, कहा-तनाव कम करें

संयुक्त राष्ट्र. संयुक्त राष्ट्र (UN) महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की है. सोमवार को उन्होंने एक संक्षिप्त बयान जारी कर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को भी कम करने का आह्वान किया है. उन्होंने बयान में दोनों पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और युद्ध की कगार से पीछे हटने का आह्वान किया है. गुटेरेस ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ₹दोनों पक्ष कोई गलती न करें. सैन्य समाधान कोई समाधान नहीं है.₹गुटेरेस ने कहा कि वे 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले के बाद की कठोर भावनाओं को समझते हैं. उन्होंने दोबारा कहा कि वह उस हमले की कड़ी निंदा करते हैं और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं.

फिरोजपुर के छावनी क्षेत्र में लाइटें बंद की गईं

पंजाब के फिरोजपुर में गत रात 9 से 9 :30 बजे तक छावनी क्षेत्र में लाइटें बंद कर दी गईं थीं.

मोदी ने डोभाल संग की बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने कार्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और गृह सचिव गोविंद मोहन के साथ हाई लेवल बैठक की. यह बैठक भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है.

फास्ट ट्रॅक

भूकंप के झटकों से हिला तेलंगाना

हैदराबाद. भारत में एक बार फिर भूकंप आया है. इस बार भूकंप दक्षिण भारत के तेलंगाना राज्य में आया है. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलॉजी ने ने बताया कि सोमवार को तेलंगाना के कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.8 मापी गई है. शाम में आया यह भूकंप एनसीएस के अनुसार, भूकंप सोमवार शाम 6 बजकर 50 मिनट पर आया है. भूकंप का केंद्र अक्षांश: 19.21 N, देशांतर: 79.41 E पर रहा है. इसकी गहराई जमीन 10 किलोमीटर अंदर रही है.
आज पाकिस्तान में भी आया भूकंप आज ही पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान भूकंप आया है. रिक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता का भूकंप आया है. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (NCS) के अनुसार, भूकंप का केंद्र पाकिस्तान में 36.60°N अक्षांश और 72.89°E देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर रहा है.

बेटियों ने बाजी मारी

महाराष्ट्र बोर्ड 12वीं रिजल्ट का रिजल्ट घोषित

94.54% लड़कियों का पास प्रतिशत

89.51% लड़कों का पास प्रतिशत

साइंस: 97.35%	कॉमर्स: 92.68%
आर्ट्स: 80.53%	वोकेशनल: 83.3%

नई दिल्ली. महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन की ओर से (Maharashtra HSC 12th Result 2025) घोषित कर दिया गया है. नतीजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी किये गए हैं. रिजल्ट का डायरेक्ट लिंक दोपहर 1 बजे ऑफिशियल वेबसाइट hscresult.mkcl.org पर एक्टिव हो गया है. लिंक एक्टिव होने के बाद छात्रों एवं उनके माता-पिता ने वेबसाइट पर रोल नंबर एवं मां का पहला नाम (Mother's First Name) दर्ज करके नतीजे चेक किया. महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है. जहां इस साल लड़कियों का पास प्रतिशत 94.54 प्रतिशत दर्ज किया गया है वहीं लड़कों का पास प्रतिशत 89.51% दर्ज किया गया है. महाराष्ट्र बोर्ड 12h का रिजल्ट इस वर्ष 91.88 फीसदी दर्ज किया गया है.

पिछले साल स्ट्रीम वाइज साइंस का रिजल्ट 97.82 फीसदी, आट्र्स स्ट्रीम का 85.88 प्रतिशत, कॉमर्स स्ट्रीम का 92.18%, वोकेशनल स्ट्रीम का 87.75 फीसदी और आईटीआई का 87.69 फीसदी रिजल्ट दर्ज किया गया था. पिछले साल लड़कियों ने 12th क्लास में बेहतर प्रदर्शन किया है. जहां लड़कों का पास प्रतिशत 91.60 फीसदी रहा वहीं लड़कियों का पास प्रतिशत 95.44 फीसदी दर्ज किया गया है. महाराष्ट्र बोर्ड की ओर से पिछले वर्ष 21 मई को रिजल्ट जारी हुआ था. लेकिन इस बार नतीजे जल्द तैयार होने के बाद 12वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया गया. महाराष्ट्र बोर्ड 12वीं में उत्तीर्ण घोषित किए जाने के लिए स्टूडेंट्स को प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 फीसदी अंक प्राप्त हुए होने आवश्यक हैं.

10 लोकेशन पर NIA की छापेमारी

खालिस्तानी आतंकी अर्श दल्ला से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली. कनाडा स्थित खालिस्तानी आतंकवादी अर्श दल्ला से जुड़े 2024 के नीमराणा होटल फायरिंग हमले के पीछे की साजिश की गहराई से जांच की गई. ये जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने की है. एनआईए की टीम ने राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के 10 स्थानों पर छापेमारी की है.

बरसाई गई थीं 35 गोलियां

पिछले साल 8 सितंबर को होटल हाईवे किंग के परिसर के चारों ओर 35 गोलियां बरसाई गई थीं. लोगों को आतंकित करने और धमकाने के उद्देश्य से ऐसा किया किया गया था. बाद में दोनों हमलावरों की पहचान बांबिया गिरोह के सदस्यों के रूप में की गई, जिनका दल्ला के आतंकवादी-गैंगस्टर नेटवर्क से संबंध था. इन दहशतगर्दों ने प्रतिबंधित हथियारों का इस्तेमाल किया था और होटल के मालिक और मैनेजर को जबरन वसूली के लिए धमकाया भी था. मैनेजर को पहले भी अंतरराष्ट्रीय नंबरों से कई धमकी भरे कॉल आ चुके थे.

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में लगी भीषण आग

उज्जैन. मध्य प्रदेश के उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकालेश्वर मंदिर के परिसर में भीषण आग लगने की घटना सामने आई. मंदिर के शंख द्वार के ऊपर सोमवार दोपहर भीषण आग लग गई. आग की लपटें और धुंआ लगभग 1 किलोमीटर दूर से भी दिखाई दे रहा था, जिससे आस-पास के इलाके में हड़कंप मच गया.
आग लगने की जानकारी लगते ही महाकाल मंदिर समिति के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे. जानकारी मिलते ही दमकल की 4 गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए गए.

हिंदुओं के लिए खत्म करें परिवार नियोजन

पर्याप्त संख्या में पैदा करें बच्चे : तेलंगाना के बीजेपी विधायक की मांग

हैदराबाद. तेलंगाना के भाजपा विधायक पैदी राकेश रेड्डी ने सोमवार को हिंदुओं के लिए परिवार नियोजन को खत्म करने का आह्वान किया, ताकि वे अधिक बच्चे पैदा कर सकें. निजामाबाद में पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए, आर्मूर विधायक ने अप्रत्यक्ष रूप से पिछले महीने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवादियों ने पीड़ितों को मारने से पहले उनसे पूछा था कि क्या वे हिंदू हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदुओं के बीच एकता ही भावी पीढ़ियों की रक्षा कर सकती है और देश की रक्षा कर सकती है. राकेश रेड्डी ने यह भी टिप्पणी की कि ₹विपरीत व्यक्ति₹ 11 से 12 बच्चों के साथ ₹खेल खेल रहा है₹ और बम लेकर घूम रहा है, जबकि ₹हमारे₹ बच्चे पटाखों से भी डरते हैं. उन्होंने दावा किया, ₹मैं आप सभी भाइयों और महिलाओं से कह रहा हूं कि चूंकि आप सभी यहां हैं, इसलिए मैं अनुरोध कर रहा हूं कि हिंदुओं के लिए परिवार नियोजन समाप्त कर दिया जाए. पर्याप्त संख्या में बच्चे पैदा करें. इन बंदूकों को रोकने का एकमात्र तरीका हिंदुओं की एकता है. हम एक हैं. अगर धर्म नहीं है, तो देश नहीं है. और अगर देश या धर्म नहीं है, तो आने वाली पीढ़ियां नहीं होंगी. कश्मीर इसका एक उदाहरण है.

आतंकियों ने जाति नहीं धर्म पूछा

रेड्डी ने आगे कहा कि पहलगाम हमले में आतंकवादियों ने पीड़ितों से उनकी जाति के बारे में नहीं पूछा चाहे वे लोहार हों या नाई, तमिल, महाराष्ट्रीयन या तेलुगु. उन्होंने कहा, ₹क्या उन्होंने पूछा? उन्होंने पूछा कि क्या आप हिंदू हैं.

कांग्रेस सांसद ने किया विरोध

कांग्रेस सांसद ने कहा, इससे वास्तविक समस्या का समाधान नहीं होता है, बल्कि देश में अशांति पैदा होती है. हिंदुओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए उकसाने वाली राकेश रेड्डी की टिप्पणी व्यक्तिगत विचारों को दर्शाती है. अगर सरकार राष्ट्रीय हित में ऐसी गतिविधि को बढ़ावा देना चाहती है, तो यह अलग बात है.₹ उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में रेड्डी को जाति के नाम पर लोगों को भड़काना नहीं चाहिए.

टकराव पाकिस्तानी साइबर फोर्स का दावा

'भारतीय रक्षा संस्थानों में लगाई सेंध'

कराची. भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल बन चुका है. दोनों देश हर मोर्चे पर एक-दूसरे को पटखनी देने की कोशिश कर रहे हैं. साइबर अटैक भी इसमें शामिल हैं. इस बीच पाकिस्तान साइबर फोर्स नाम के एक अकाउंट ने दावा किया है कि उसने भारतीय सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ी वेबसाइट को हैक कर लिया है और अहम डेटा चुरा लिया है.
पाकिस्तान साइबर फोर्स नाम के एक्स अकाउंट के जरिए खुलासा किया गया है कि इस समूह ने कथित तौर पर भारतीय सैन्य इंजीनियरिंग सेवा और मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान से अहम डेटा हासिल कर लिया है.

आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की वेबसाइट ऑफलाइन: सूत्रों के हवाले से न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह भी बताया है कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एहतियात के रूप में आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की वेबसाइट को जानबूझकर पूरी तरह से ऑफलाइन कर दिया गया है. इस दौरान वेबसाइट को ऑडिट किया जाएगा और यह पता करने की कोशिश की जाएगी कि साइबर अटैक से वेबसाइट को कितना नुकसान हुआ है और ऐसे हमलों को भविष्य में कैसे रोका जा सकता है.

अटैकर्स के पास हो सकती है अहम जानकारी

सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान साइबर फोर्स का दावा इस बात का प्रतीक है कि लॉगिन क्रेडेंशियल सहित रक्षा कर्मियों से संबंधित व्यक्तिगत जानकारी भी साइबर अटैकर्स के पास हो सकती है. यह भी बताया गया है कि साइबर अटैकर्स ने रक्षा मंत्रालय के तहत एक पीएसयू कंपनी आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की आधिकारिक वेबसाइट को भी खराब करने का प्रयास किया. वेबसाइट को पाकिस्तान के झंडे और अल खालिद टैंक का उपयोग करके खराब किया गया है.

भविष्य के हमलों को रोकने के लिए तैयारी

इसके अलावा, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एजेंसियां किसी भी अतिरिक्त साइबर हमले का पता लगाने के लिए साइबरस्पेस की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही हैं. इसके साथ ही पाकिस्तान से जुड़े साइबर अटैकर्स के अटैक को पहचानने की कोशिशें की जा रही हैं. इस निरंतर निगरानी का उद्देश्य इन साइबर हमलावरों द्वारा भविष्य में उत्पन्न होने वाले किसी भी जोखिम को शीघ्रता से पहचानना और कम करना है. सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने और आगे की घुसपैठ के प्रयासों से बचाव के लिए उचित और आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं. ये प्रयास ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में समग्र रूप से लचीलापन बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं कि सुरक्षा बल भविष्य के साइबर खतरों से बचाव के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों.

वक्फ कानून पर 15 को सुनवाई

नई दिल्ली. वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई टल गई है. अगली सुनवाई 15 मई को होगी. इससे पहले 17 अप्रैल को कोर्ट ने केंद्र को जवाब देने के लिए 7 दिन का समय दिया था.साथ ही अगली सुनवाई तक वक्फ बोर्ड में नई नियुक्तियों पर रोक लगा दी थी. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र का जवाब आने तक वक्फ घोषित संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने को कहा था.केंद्र ने 25 अप्रैल को दायर हलफनामे में कहा कि कानून पूरी तरह संवैधानिक है. यह संसद से पास हुआ है, इसलिए इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए.
1332 पन्नों के हलफनामे में सरकार ने दावा किया 2013 के बाद से वक्फ संपत्तियों में 20 लाख एकड़ से ज्यादा का इजाफा हुआ. इस वजह से कई बार निजी और सरकारी जमीनों पर विवाद हुआ.
वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने सरकार के आंकड़ों को गलत बताया और कोर्ट से झूठा हलफनामा देने वाले वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की. नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 70 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई हैं, लेकिन कोर्ट सिर्फ पांच मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई करेगा. इसमें AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल है. नया कानून अप्रैल में राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद लागू हुआ था. लोकसभा में 288 और राज्यसभा में 128 सांसदों ने इसका समर्थन किया था. कई विपक्षी पार्टियों ने इसका विरोध किया और सुप्रीम कोर्ट का रुख किया.

लाखों सुझावों के बाद संशोधित कानून बना

CJI संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले पर सुनवाई कर रही है. केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता, जबकि कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं.17 अप्रैल की सुनवाई में SG मेहता ने कहा था कि संसद से 'उचित विचार-विमर्श के साथ' पारित कानून पर सरकार का पक्ष सुने बिना रोक नहीं लगाई जानी चाहिए.उन्होंने कहा था कि लाखों सुझावों के बाद नया कानून बना है. ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनमें गांवों को वक्फ ने हड़प लिया. कई निजी संपत्तियों को वक्फ में ले लिया गया. इस पर बेंच ने कहा कि हम अंतिम रूप से निर्णय नहीं ले रहे हैं.

CMYK

संपादकीय

जनगणना से समाज की अपेक्षाओं का चलेगा पता

जाति एक जटिल सामाजिक व्यवस्था है जिसका स्वरूप समय और स्थान के साथ बदलता रहा है. कर्म पर आधारित 4 वर्णों वाली मूल व्यवस्था कब जन्म आधारित जाति की रूढ़ि में ढल गई यह कहना तो मुश्किल है परंतु जाति की व्यवस्था ने निश्चित रूप से भारतीय समाज और उसके सोच-विचार को बुरी तरह से जकड़ लिया कि उससे उबरने की कोशिश कारगर न हो सकी.

भारतीय राजनीति के लिए यह एक दुर्लभ क्षण है जब सत्ता पक्ष एवं विपक्ष, दोनों एकमत हुए हैं. दोनों पक्ष देश में जाति के आधार पर अगली जनगणना कराने के मुद्दे पर राजी हो गए हैं. अंतिम बार वर्ष 1931 में अंग्रेजों ने देश में जातीय जनगणना कराई थी. इस दूरगामी फैसले को सामाजिक न्याय मुहैया कराने और पिछड़ों के सशक्तीकरण से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है और सभी दल इसका श्रेय लेने के लिए अपना-अपना दावा पेश कर रहे हैं. भारतीय समाज की एक प्राचीन संस्था के रूप में जाति के अनेक संस्करण होते रहे हैं. शुद्धता और अपवित्रता की अवधारणा के इर्द-गिर्द फैली-पसरी जाति व्यवस्था से जुड़ी कुरीतियों के चलते आधुनिक दृष्टि प्रायः इसे लेकर चिंता प्रकट करती रही है. देश के सभी नेता इसे विभाजनकारी, शोषक और प्रगति के मार्ग में प्रमुख बाधा मानते आए हैं. जाति जन्म से जुड़ी एक पदानुक्रमिक सामाजिक श्रेणीकरण की परिपाटी है. परंपरा के अनुसार जाति व्यवस्था उस व्यक्ति के लिए सुविधाओं और प्रतिबंधों की परिधि बनाती चलती है. सामाजिक सीमा बनाती जाति खास तौर पर वैवाहिक संबंधों को अंतरजातीय परिधि में सीमित करते हुए सामाजिक गतिशीलता को रोकने वाली रही है. जाति व्यक्ति के निजी गुणों या व्यवहारों की उपेक्षा कर उसके ऊपर अपेक्षाओं का बोझ लादती है, जिसे उसे जीवन भर ढोना पड़ता है. जाति एक जटिल सामाजिक व्यवस्था है, जिसका स्वरूप समय और स्थान के साथ बदलता रहा है. कर्म पर आधारित चार वर्णों वाली मूल व्यवस्था कब जन्म आधारित जाति की रूढ़ि में ढल गई, यह कहना तो मुश्किल है, परंतु जाति की व्यवस्था ने निश्चित रूप से भारतीय समाज और उसके सोच-विचार को बुरी तरह से जकड़ लिया कि उससे उबरने की कोशिश कारगर न हो सकी. आज जाति की चेतना को लेकर देश में विचित्र स्थिति पैदा हो रही है. एक ओर जाति से जुड़े प्रतिबंध टूट रहे हैं तो दूसरी ओर प्रत्येक जाति की अलग संस्था बनाने का उन्माद भी दिख रहा है. लोग जाति से आसानी से जुड़कर अपनी सामाजिक पहचान बना लेते हैं और अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करने लगते हैं, जो जाति की सदस्यता से मिलती है. यह प्रवृत्ति दिन-प्रतिदिन बलवती हो रही है. आज देश में जातियों और उपजातियों के नाम पर गठित संस्थाओं की भरमार हो रही है. आज अगर किसी जाति का कोई संघ मौजूद नहीं है तो वह जाति अपने को कमतर मानती है और समुदाय बनाने चल पड़ती है. इस तरह आज भारतीय समाज में जाति का विरोध और जाति का समर्थन करने वाली, दोनों ही तरह की प्रवृत्तियां साथ-साथ पनप रही हैं. जाति की संस्था का विरोध और खंडन राजनीतिक और सामाजिक चिंतन के लिए वैचारिक आधार देता आया है.

अभिमान और गर्व के साथ लोग इन संस्थाओं का गठन कर रहे हैं, जिनका कथित उद्देश्य उस जाति विशेष के सदस्यों का कल्याण होता है. जाति के साथ नस्ली श्रेष्ठता जैसी भावना भी कुछ समुदायों में दिखती है. स्थानीय स्तर पर बने जाति संघ, जाति परिषद, जाति सेना या जातीय दल भी संबंधित समुदाय के लिए तरह-तरह के काम करते हैं.

पोत निर्माण में आत्मनिर्भरता अनिवार्य

सामरिक मोर्चे पर भारत की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए भी शिपबिल्डिंग पर ध्यान देना आवश्यक हो गया है. चीनी नौसेना अब विश्व की सबसे बडी नौसेना बन गई है. वर्ष 2023 तक उसके बेड़े में 370 से अधिक युद्धपोत हो गए हैं. चीन अफ्रीकी तट पर जिबूती से लेकर एशिया में ग्वादर श्रीलंका म्यांमार पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच तमाम पहलुओं पर विचार किया जा रहा है. पाकिस्तान पर संभावित कार्रवाई के विकल्पों के बीच अतीत के पन्ने भी पलटे जा रहे हैं.

ऐसा ही एक अध्याय नौसेना के आपरेशन ट्राइडेंट से जुड़ा है. भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान दिसंबर 1971 में भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर औचक हमला कर दुश्मन को चौंका दिया था. उस हमले में तीन पाकिस्तानी पोत डुबो दिए गए. फ्यूल टैंक्स ध्वस्त किए गए. इसे भारत के सबसे सफल एवं आक्रामक नौसैनिक अभियानों में से एक माना जाता है.

हालांकि इस सफलता से जुड़ी सुर्खियों में यह तथ्य कहीं दबकर रह गया कि उस कामयाबी में ओसा-क्लास मिसाइल नौकाओं और युद्धक सामग्री की अहम भूमिका रही, जो सोवियत मूल की थीं. भारत ने भले ही वह लड़ाई जीत ली हो, लेकिन उस युद्ध ने विदेशी नौसैन्य तकनीक पर हमारी निर्भरता को ही उजागर किया था. उसके दशकों बाद भी यह सामरिक नाजुक कड़ी कुछ वैसी ही बनी हुई है. इस बीच भारत के समक्ष सामुद्रिक मोर्चे पर चुनौतियां और बढ़ी हैं

तब स्वदेशी स्तर पर शिपबिल्डिंग यानी पोत निर्माण की जरूरत कहीं ज्यादा बढ़ जाती है. यह केवल औद्योगिक आकांक्षाओं के दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है.

वैश्विक अनुभव देखें तो शिपबिल्डिंग में लाभ ही लाभ हैं. यह रोजगार सृजन और तकनीकी क्षमताएं बढ़ाने के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देता है. कई आकलनों के अनुसार शिपबिल्डिंग में निवेश होने वाले 1,000 करोड़ रुपये से 6,000 प्रत्यक्ष और 15,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हो सकते हैं. वैश्विक शिपबिल्डिंग बाजार का आकार करीब 145 अरब डालर है. इसमें 47 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ चीन, 29 प्रतिशत के साथ दक्षिण कोरिया और 15 प्रतिशत के साथ जापान का दबदबा है. इन तीनों देशों ने 2023 में विश्व की 90 प्रतिशत से अधिक मांग को पूरा किया. जबकि एक बड़ी तटरेखा वाले भारत की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम रही. एक सशक्त शिपबिल्डिंग क्षेत्र केवल बंदरगाहों और सामुद्रिक आवाजाही को ही बेहतर नहीं बनाता, बल्कि इसके जरिये स्टील, इलेक्ट्रानिक्स, आइटी और अन्य कौशलों वाले व्यापारों को भी आगे बढ़ाने में मदद मिलती है. दक्षिण कोरिया जैसे देश ने पिछली सदी के अंतिम पड़ाव पर अपनी औद्योगिक जड़ों को गहरा करने में शिपबिल्डिंग को आधार बनाया. आज भारत के सामने भी वही स्थिति एवं अवसर विद्यमान हैं. भारत सरकार इन संभावनाओं को भुनाने के पूरे प्रयासों में भी जुटी है. वर्ष 2016 से 2021 के दौरान शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस पालिसी के तहत 4,500 करोड़ रुपये की शिपबिल्डिंग सब्सिडी के साथ ही सागरमाला जैसे अभियान को गति प्रदान की गई है. इस साल के बजट में भी कई प्रविधान किए गए हैं, जिनका दीर्घकालिक उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को शिपबिल्डिंग क्षेत्र में वैश्विक महारथी बनाने का है.

मैरिटाइम डेवलपमेंट फंड यानी एमडीएफ जैसी पहल इन प्रयासों के केंद्र में है. सरकार जहां 25,000 करोड़ रुपये के इस कोष में 49 प्रतिशत का योगदान करेगी तो शेष राशि बंदरगाहों एवं निजी क्षेत्र के साझेदारों के जरिये आएगी. इस कोष के जरिये शिपबिल्डिंग और जहाजों की मरम्मत सुविधाएं विकसित करने के लिए दीर्घकालिक एवं किफायती पूंजी उपलब्ध होगी. इस पहल को नवगठित शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस पालिसी से और मदद मिलेगी. इस योजना में 18,090 करोड़ रुपये के अंशदान से भारतीय शिपबिल्डिंग उद्योग को लागत प्रतिस्पर्धा की चुनौती से उबारने की तैयारी है. इसी कड़ी में एक निर्धारित सीमा से बड़े जहाजों को इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का दर्जा दिया जाएगा. इससे उन्हें आसान वित्तीय संसाधन उपलब्ध होने के साथ उनकी अन्य बाधाएं दूर होंगी.

पाक को बड़ा आर्थिक आघात

शुरू में ही यह तथ्य सामने आ गया था कि पहलगाम हमले में लश्कर-ए-तैयबा के एक आनुषंगिक संगठन का हाथ था, लेकिन पाकिस्तान हमेशा की तरह अपना हाथ होने से मना कर रहा है. पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत सावधानी से कदम आगे बढ़ा रहा है. सिंधु जल समझौते को निलंबित करने, हवाई मार्ग बंद करने जैसे फैसलों के बाद अब उसने पाकिस्तान से किसी भी प्रकार के आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है. माना जा रहा है कि इससे पाकिस्तान को बड़ा आर्थिक आघात पहुंचेगा. पहलगाम हमले के बाद से देश में आक्रोश है. सरकार भी लगातार बैठकों और मंत्रणाओं के जरिये यह संदेश देने का प्रयास कर रही है कि जल्दी ही वह पाकिस्तान के खिलाफ कोई निर्णायक और कड़ा कदम उठाएगी. प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सार्वजनिक मंचों से भरोसा दिला चुके हैं कि वे दोषियों को कड़ी सजा दिला कर रहेंगे. राष्ट्रीय जांच एजेंसी इस हमले की गहन जांच कर रही है. खुफिया एजेंसियों ने यह पता लगा लिया है कि आतंकियों ने किस प्रकार हमले को अंजाम दिया. इस हमले में शामिल स्थानीय आतंकियों के मकान ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई की गई है. पाकिस्तान से आए आतंकियों को साथ लेकर हमले को अंजाम दिया गया. पता चला है कि ये वे आतंकी ही थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान बड़ा हमला करने की योजना बनाई थी. दौरा टलने के बाद उन लोगों ने पहलगाम हमले को अंजाम दिया. शुरू में ही यह तथ्य सामने आ गया था कि पहलगाम हमले में लश्कर-ए-तैयबा के एक आनुषंगिक संगठन का हाथ था, लेकिन पाकिस्तान हमेशा की तरह अपना हाथ होने से मना कर रहा है. पाकिस्तान की यह आदत रही है कि तमाम तथ्यों और दस्तावेजों के बावजूद उसने आज तक किसी भी घटना में अपनी जमीन के इस्तेमाल होने की बात कबूल नहीं की है. अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के सामने पहलगाम हमले को लेकर भारत पुख्ता तरीके से बात रख रहा है. वहां की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई की देखरेख में पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों को प्रशिक्षित करने के शिविर चलाए जा रहे हैं. स्पष्ट है कि पहलगाम हमले को लेकर जवाबी कार्रवाई की तैयारी भारत करेगा ही. यह देख अमेरिका और रूस समेत कई देश भारत और पाकिस्तान से तनाव और न बढ़ाने की अपील कर रहे हैं. राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अपनी शुरूआती जांच में पाकिस्तान के खिलाफ कई तथ्य इकट्ठा किए हैं. सड़क मार्ग से तिजारत बहुत समय से बंद है, हवाई सेवाएं भी रुकी हुई हैं, पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच वाघा और अटारी सीमा से होने वाली आवाजाही भी बंद हो चुकी है.

यह छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी लगातार आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती रही हैं और उन पर नकेल कसने की मांग बार-बार उठती रही है. अपने दुश्मन को केवल बंदूक से परास्त नहीं किया जा सकता. आज की स्थिति में उस पर आर्थिक वार सबसे बड़ा हमला होता है. इस अर्थ में भारत का पाकिस्तान से आयात पर पूर्ण प्रतिबंध ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. हालांकि पाकिस्तान से सीधा कारोबार काफी कम हो गया था.

मेक इन इंडिया के लिए बड़ा मौका

शिएपल का प्लान कि अमेरिका में बिकने वाला हर आईफोन भारत में बना हो, मेक इन इंडिया के लिए एक बड़ा मौका है. लेकिन ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की जगह लेने के लिए भारत को बहुत कुछ करना होगा, जिसका मौका डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर की वजह से उसे मिला है. भारत में आईफोन की कहानी बड़ी कारोबारी सफलताओं में से एक रही है. इस साल अभी तक भारत ने एपल के लिए 25-30% आईफोन बनाए हैं, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 18% था. यह तरक्की की बढ़िया खबर है, लेकिन एक सच यह भी है कि भारत में जितना प्रॉडक्शन हो पाता है,अमेरिका में आईफोन का बाजार उससे कहीं बड़ा है. 2024 में अमेरिका में 7.59 करोड़ आईफोन बिके थे, जबकि इस साल मार्च में भारत से 31 लाख यूनिट वहां भेजी गई थीं. यानी एपल के चीफ टिम कुक की प्लानिंग के हिसाब से अगर भारत को पूरे अमेरिका की मांग को पूरा करना है, तो मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी को बढ़ाना होगा. अच्छी बात यह है कि तमिलनाडु के होसुर और बेंगलुरु में 2 नई फैसिलिटी तैयार हैं और इनके जल्द शुरू होने की उम्मीद है. इस बार चूक न हो. भारत के पास कुछ साल पहले भी ऐसा मौका आया था - कोरोना, 2018 के ट्रंप के चीन के साथ ट्रेड वॉर और दक्षिण चीन सागर में उभरते तनाव के मद्देनजर जब दुनिया चीन प्लस वन ऑप्शन की तलाश कर रही थी. उस समय वियतनाम जैसे देशों ने बाजी मार ली थी. उसे कम कॉरपोरेट टैक्स रेट, निवेश में आसानी और सस्ते श्रम का फायदा मिला. मौजूदा टैरिफ वॉर से भारत को जो मौका मिला है, उसे हाथ से नहीं निकलने देना चाहिए. खासकर यह देखते हुए कि दुनिया का कारोबारी माहौल उसके पक्ष में है. कोरोना के वक्त से अमेरिकी कंपनियों पर चीन से बाहर निकलने का जो दबाव था, वह हाल में ट्रंप के टैरिफ वॉर से और बढ़ गया है. ट्रंप प्रशासन ने चीन पर 245%, जबकि भारत पर 26% का आयात शुल्क लगाया है, और इसे भी फिलहाल 90 दिनों के लिए टाल रखा है.

राशिफल

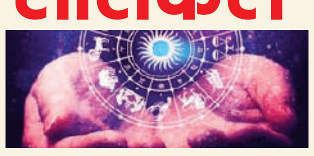

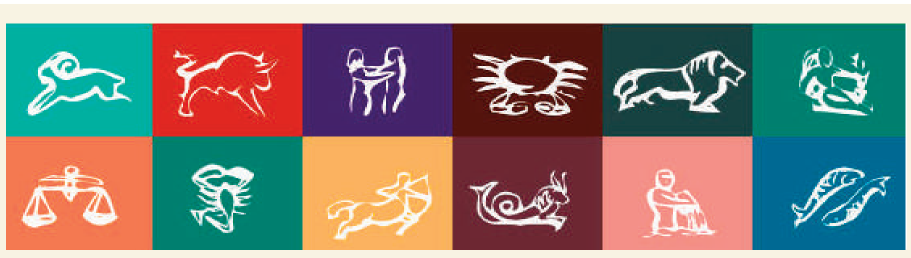

■ **मेष:** यह दिन मिलाजुला परिणाम देने वाला है. भविष्य से जुड़े फैसले सावधानी से लें. व्यापारिक स्थिति में उतार-चढ़ाव संभव है. माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न करें. आज कुछ जातकों को अच्छे पैकेज के साथ नई जॉब का ऑफर मिल सकता है. पुराने दोस्तों से मुलाकात से चेहरे पर मुस्कान आएगी.

■ **वृषभ:** आज का दिन नए अवसरों से भरपूर होगा. जरूरतों की वस्तुएं उपलब्ध होंगी. पारिवारिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा. विरासत में संपत्ति मिल सकती है. हालांकि, ऑफिस के कुछ कार्यों को पूरा करने में खूब मेहनत करनी पड़ेगी.

■ **मिथुन:** पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. बिजनेसमेन को सोच-समझकर इनवेस्ट करना चाहिए. पारिवारिक जीवन की समस्याओं को ज्यादा बढ़ने दें. बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालें. आज परिवार के किसी सदस्य को आर्थिक मदद की जरुरत पड़ सकती है.

■ **कर्क:** यह दिन खास रहने वाला है. महत्वपूर्ण कार्यों को टाइम पर पूरा करने की कोशिश करें. लॉन्ग टर्म प्लान पर फोकस करें. विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी. जरुरी कार्यों में दोस्त आपकी मदद कर सकते हैं. सामाजिक पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. बुद्धिमानी और समझदारी से रुके हुए कार्य को पूरा कर लेंगे.

■ **सिंह:** दिन शुभ रहेगा. नए प्रोजेक्ट की शुरुआत करना अच्छा रहेगा. कार्यों के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे. आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें. धन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. परिजनों के साथ आशीर्वाद से करिअर में अपार सफलता मिलेगी. फैमिली और फ्रेंड्स के साथ मौज-मस्ती भरे पलों को एंजॉय करेंगे.

■ **कन्या:** कड़ी मेहनत और लगन के साथ सभी कार्यों को पूरा करें. प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को खूब मेहनत करना चाहिए. व्यापार में मुनाफा होगा. अटका हुआ धन वापस मिलेगा. धन-संपत्ति को लेकर वाद-विवाद हो सकता है. कानूनी मामलों से दूरी बनाएं.

■ **तुला:** घर के किसी सदस्य के विवाह में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है. धन का लेन-देन करते समय सावधानी बरतें. कुछ जातकों को ससुराल पक्ष में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है. जीवनसाथी संग बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालें.

■ **वृश्चिक:** सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी. आपको पारिवारिक जीवन में कुछ मुद्दों को बातचीत के जरिए सुलझाना होगा. माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें और परिजनों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें. धन का प्रबंधन होशियारी से करें. आज कोई करीबी दोस्त आपसे आर्थिक मांग सकता है.

■ **धनु:** आपको कार्यों के मनचाहे परिणाम मिलेंगे,लेकिन बिजनेस पार्टनर से धोखा मिल सकता है. प्रॉपर्टी के लेन-देन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स को बहुत संभालकर रखें. आर्थिक मामलों में किसी अनुभवी की सलाह लें. इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी.

■ **मकर:** लंबे समय से रुके हुए कार्य सफल होंगे. परिजनों से किसी बात को लेकर अनबन हो सकता है,लेकिन पारिवारिक जीवन की दिक्कतों को समझदारी से सुलझाएं. कार्यस्थल पर कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लें. आर्थिक मामलों में लापरवाही बरतें.

■ **कुंभ:** आज का दिन अच्छा रहेगा. आर्थिक मामलों में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें. घर में मेहमानों के आगमन से सकारात्मक माहौल रहेगा. अटका हुआ धन वापस मिलेगा. स्वास्थ्य को लेकर छोटी-मोटी समस्या हो सकती है.

■ **मीन:** यह दिन सामान्य रहेगा. घर में मेहमानों का आगमन संभव है. सिंगल जातकों के लिए लाइफ में किसी खास व्यक्ति की एंट्री होगी. नौकरी-कारोबार में तरक्की करेंगे. आप फैमिली के साथ कहीं घूमने का भी प्लान बना सकते हैं. स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें. हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं.

फिल्म वर्ग पहेली - 436

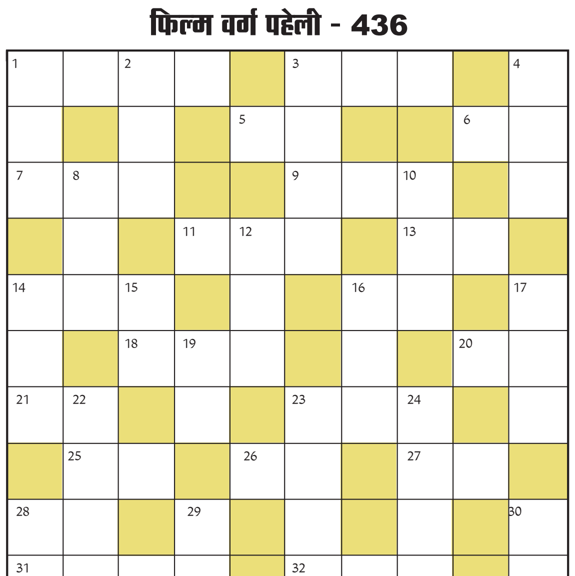

बायें से दायें:-

1. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-2,2
3. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-3
5. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-2
6. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-2
7. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-3
9. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-3
11. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-3
13. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-2
14. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-3
16. 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-2
18. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
20. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-2
21. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
23. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-3
25. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-2
26. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-2
27. 'जवानी दीवानी' की नायिका -2
28. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र के किरदार का क्या नाम था-2
31. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-4
32. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-3

ऊपर से नीचे:-

1. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-3
2. 1971 के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-3
3. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-4
4. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-3
8. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-3
10. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-3
12. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-3
14. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-3
15. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-2
16. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-3
17. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-3
19. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-2
22. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-4
23. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-4
24. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-4
28. 'दिलजले' में अजय का नाम?-2
29. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-2
30. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली - 435 का हल

खु	दा	र		रो	मां	स		आ	शा
शी		त	ला	श		प	ड़ो	स	न
	ध	न	वा	न		ने		रा	
ध	र्मा		रि		जू		झु		सु
	त्मा		स	हे	ली		म	सी	हा
फा		श		मा		गु	रु		ग
गु	म	रा	ह		मे	ला		डॉ	
न		बी		आ		म	हा	न	ता
	काँ		आ	शि	की		द		ल
वां	टे	ड		क		इं	सा	फ	

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 436

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	19	18	26	30	■	11	23	13	■
26		8		2	■	3		4	12
23	9		7		■		7		20
23		8		7		■		2	6
■	■	■	6		9		7		34
32		7		5		7	■	■	■
9	3		■		5		5		22
14		4		■		8		8	29
16	6		6	■	8		3		23
■	17	21	13	■	39	27	13	19	■

अंकजाल 435 का हल

■	10	7	23	15	21	■	27	33	■
30	5	4	9	7	5	■	8	7	15
25	5	3	8	2	7	■	3	4	7
■	■	■	2	6	7	9	3	7	34
14	2	5	7	■	2	5	7	8	22
22	9	2	3	8	■	5	6	7	18
25	3	6	4	5	2	5	■	■	■
9	6	3	■	4	7	8	8	5	32
14	8	6	■	1	5	7	3	2	18
■	28	22	■	18	14	39	11	7	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 436

शब्दजाल में दस 'स्वतंत्रता सेनानियों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

मंगलपांडे, भगतसिंह, तात्या टोपे, महात्मा गांधी,लक्ष्मीबाई,सुभाषचंद्र बोस,अशफाक, चन्द्रशेखर आजाद, उधमसिंह,सरदार पटेल

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	झ	सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
ल	औ	ता	त्या	टो	पे	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल - 435 का हल

नी	म	गा	ई	ड	र	रे	फा	न	प	खा
न	ल	क	प	इं	डे	श	शि	या	ड़	मो
अ	दा	क	ला	र	ग	मा	द	प्रे	प	शी
ती	ग	ल	म	ब	दू	औ	प	म	लि	ला
त	स	अ	सौ	ल	जा	र	कि	पु	ला	स
आ	इ	री	मो	व	आ	शे	त	जा	लू	पा
ग	जी	ल	क	व	प	रा	न	री	प्र	स
र	रि	भा	र	स	प	स	द	र	रा	वा
को	ह	रा	ना	थ	म	ज	जी	न	खी	न
न	ट	प	त्थ	र	के	स	न	म	प	श
ब	बी	स	सा	ल	बा	द	त्ता	प	क	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

युवा प्रतिभाएं जानलेवा घातकता का शिकार

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं. हाल ही में 3 छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं. इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था. नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है. विडंबना यह है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजर-अंदाज करते हैं. जो बताता है कि यह प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं. यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं. विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है. यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं. दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं. निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक संजाल बन जाते हैं. निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है. राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है. लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

अपने बच्चों को अमेरिकी बॉर्डर पर क्यों छोड़ रहे भारतीय ?

नई दिल्ली. अमेरिका जाने के लिए अवैध डंकी रूट के बारे में सभी जानते हैं, लेकिन नागरिकता हासिल करने के लिए भारतीय माता-पिता अपने बच्चों को अमेरिकी बॉर्डर पर छोड़कर आ रहे हैं. दुनियाभर के उन हजारों पेरेंट्स में भारतीय भी शामिल हैं जो बच्चों और खुद के लिए नागरिकता की उम्मीद में अपने बच्चों को मेक्सिको-अमेरिका या कनाडा-अमेरिका बॉर्डर पर छोड़ देते हैं. वित्तीय वर्ष 2024 में ऐसे 500 से ज़्यादा भारतीय नाबालिगों को अमेरिका में पकड़ा गया है. लेकिन अब, ट्रंप प्रशासन उन 'अकेले बच्चों' पर सख्ती बरत रहा है जिन्हें उनके माता-पिता अमेरिकी सीमा पर छोड़ दे रहे हैं.

अब ट्रंप प्रशासन ने दिखाई सख्ती

नागरिकता पाने की उम्मीद

आंकड़ों के मुताबिक अमेरिकी नागरिकता के लिए ऐसा रास्ता असामान्य नहीं है, लेकिन बच्चों से जुड़े जोखिमों के कारण इसे समझना मुश्किल है. भारतीयों सहित कई माता-पिता अपने 12-17 साल की उम्र के बच्चों को बॉर्डर पर छोड़ गए हैं. कुछ बच्चे तो इतने छोटे थे कि उनको पेरेंट्स का पता और नाम लिखी एक पर्ची के साथ बॉर्डर पर छोड़ा गया था. ऐसे मामलों में माता-पिता पहले से ही अवैध रूप से अमेरिका में मौजूद होते हैं और फिर

कैसे काम करता है यह प्रोसेस

एक रिपोर्ट के मुताबिक आव्रजन विश्लेषकों का मानना है कि यह कुछ भारतीय परिवारों की ओर से अमेरिकी शरण पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने की अपनाई गई एक सोची-समझी रणनीति को दिखाता है. कई मामलों में बच्चों को अकेले या अनजान ग्रुप के साथ भेजा जाता है, और फिर उन्हें अमेरिकी जांच चौकियों के पास छोड़ दिया जाता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि एक बार हिरासत में आने के बाद उम्मीद है कि बच्चों की मौजूदगी से माता-पिता को बाद में एंट्री पाने में मदद मिलेगी, अक्सर वे परिवार के फिर एकजुट होने के आधार पर शरण के लिए अप्लाई करते हैं. अवैध इमिग्रेशन के एक जानकार ने बताया कि माता-पिता अक्सर बच्चों का इस्तेमाल अमेरिका में अपने प्रवास को वैध बनाने के लिए करते हैं.

मानवीय आधार पर मिलती है नागरिकता

उन्होंने बताया, 'आमतौर पर माता-पिता पहले अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल होने में सफल हो जाते हैं. बाद में वे अपने बच्चों के लिए अन्य अवैध प्रवासियों के साथ यात्रा करने का इंतजाम करते हैं. जब बच्चे सीमा पर पकड़े जाते हैं, तो परिवार शरण के लिए आवेदन करते हैं और अक्सर उन्हें मानवीय आधार पर रहने की इजाजत मिल भी जाती है.' अमेरिका स्थित एक सूत्र ने बताया कि इनमें से कई बच्चों को औपचारिक रूप से 'छोड़ा हुआ' नहीं कहा गया है, जुवेनाइल कोर्ट के फैसले के बाद छह से आठ महीने के भीतर ग्रीन कार्ड मिलने की संभावना ज्यादा होती है. सूत्र ने बताया, 'जब कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ जाती है और बच्चे ग्रीन कार्ड हासिल कर लेते हैं, तो अमेरिका में उनके रिश्तेदार आमतौर पर गोद लेने की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं.'

US ने 2500 नाबालिगों को रोका

साल 2022 से 2025 तक ढाई हजार से अप्रवासी भारतीय नाबालिगों को अमेरिका में दाखिल होने रोका गया है. 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग अब उन बच्चों का 'वेलफेयर चेक' भी कर रहा है जो अकेले अमेरिका पहुंचे हैं. आलोचकों ने इसे 'बैकडोर फेमिली सेप्रेशन' बताया है.यह बात तब सामने आई जब पता चला कि बिना किसी सुरक्षा के नाबालिग, जिनमें भारतीय भी शामिल हैं, अमेरिकी सीमा में दाखिल हो रहे हैं. अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (यूएससीबीपी) के आंकड़ों से भी यही बात सामने आई है. अक्टूबर 2024 से 25 फरवरी तक 77 भारतीय नाबालिगों को अमेरिकी सीमा पर पकड़ा गया. इन बच्चों को अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर या कनाडा के रास्ते जानबूझ कर छोड़ दिया गया था.

गोबरनामा सरकार का नया कारनामा

अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर कसा तंज , BJP ने कहा- गोवंश विरोधी

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के सरकारी विभाग की दीवारें अब गाय के गोबर से बने पेंट से रंगी दिखाई पड़ सकती है. इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देश भी दे दिए हैं. हालांकि सीएम योगी के इस फैसले पर सूबे की राजनीति गरमा गई है. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोबरनामा के जरिये तंज कसते हुए जोरदार हमला बोल दिया है. दूसरी तरफ बीजेपी ने अखिलेश यादव को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यदुवंशी अखिलेश यादव को गाय, गोबर और गोवंश से नफरत है. वो मजहबी तुष्टिकरण की राजनीति के नाते गाय, गंगा और गीता का अपमान करते हैं.
सपा मुखिया और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट किया है. इस पोस्ट में अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ ने उस बयान का जिक्र किया है जिसमें मुख्यमंत्री ने रविवार को समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सरकारी भवनों में गोबर से बने प्राकृतिक पेंट का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है. पूर्व मुख्यमंत्री ने गोबरनामा को बीजेपी सरकार का नया कारनामा बताया है.

अखिलेश यादव की ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई पर तंज

अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में लिखा 'गोबरनामा: भाजपा सरकार का नया कारनामा.' वहीं सपा मुखिया के बयान पर हमलावर हुए बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि अपने आप को यदुवंशी क्लेम करने वाले अखिलेश यादव ऑस्ट्रेलिया क्या पढ़ने गए उनके ऊपर विदेशी संस्कारों का प्रभाव पड़ गया है. आज उनको गाय, गोबर और गोवंश से नफरत हो गई है.

गोबर मिलाकर पेंट बनाने का प्रयास बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि अखिलेश यादव इस सत्य को नकारने का प्रयास कर रहे हैं कि कैसे भारतीय वैज्ञानिकों ने गोबर मिलाकर पेंट बनाने का प्रयास किया है.
अखिलेश यादव इस अभिनव और नूतन प्रयास को नकारने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि बल्कि उन्हें लोगों से आव्हान करना चाहिए था कि गाय के गोबर का इस्तेमाल अलग-अलग चीजों में ज्यादा से ज्यादा कैसे किया जा सकता है. हालांकि आज जब पेंट गोबर से बन रहा है और ये वैज्ञानिक प्रमाणित है, बाजार में भी उपलब्ध है. लेकिन इसके बावजूद उसे नकार कर जानबूझकर सनातन संस्कृति पर प्रहार करने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि क्योंकि ये अखिलेश यादव की मजहबी तुष्टीकरण की राजनीति को सुहाता है.

फास्ट ट्रैक

बिना ड्राइवर की कार ने ताजमहल घूमने आए टूरिस्टों को कुचला !

आगरा. उत्तर प्रदेश के आगरा में ताजमहल घूमने आए पर्यटकों के लिए सोमवार का दिन खौफनाक बन गया. दरअसल, यहां पश्चिमी गेट की पार्किंग में एक बिना ड्राइवर की कार अचानक पीछे की ओर चल पड़ी और 2 पर्यटकों को कुचलते हुए दुकान से जा टकराई. इस हादसे में कुछ लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.
बताया जा रहा है कि यह हादसा दिल्ली नंबर की कार से हुआ, जो बिना हैंड ब्रेक लगाए ढलान पर खड़ी की गई थी. कार अचानक पीछे की ओर तेजी से लुढ़की और गाइड कैनोपी के पास मौजूद एक दुकान में जा घुसी. उस वक्त दुकान के बाहर खड़े कई पर्यटक ताजमहल का दीदार कर रहे थे. इनमें से 2 लोग कार की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के वक्त मौके पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों और सुरक्षा कर्मियों की मदद से घायलों को तुरंत एंबुलेंस से एस.एन. मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया, जहां उनका उपचार जारी है. हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है.
मामले में थाना ताजगंज के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि कार पार्किंग में खड़ी थी और संभवत: तेज हवा के कारण पीछे की ओर खिसक गई. कार की चपेट में आने के कारण दो लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें उपचार के लिए एंबुलेंस के जरिये अस्पताल भिजवा दिया गया है. मौके पर शांति-व्यवस्था कायम है.

राहुल गांधी को मिली बड़ी राहत

हाई कोर्ट ने नागरिकता याचिका निस्तारित की

इलाहाबाद. कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है. राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर दाखिल याचिका को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने निस्तारित कर दिया है यानी अपने यहां मामला खत्म कर दिया है. बता दें कि इससे पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार को 10 दिन का समय देते हुए एक स्पष्ट रिपोर्ट की मांग की थी, जिसमें सरकार को बताना था कि राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं या फिर नहीं हैं. आइए जानते हैं कि इस याचिका को निस्तारित करते हुए कोर्ट ने क्या कुछ कहा है.

केंद्र सरकार कोई समय सीमा नहीं बता पा रही- कोर्ट

सोमवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस एआर मसूदी व जस्टिस राजीव सिंह की बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार याची की शिकायत को निस्तारित करने की कोई समय सीमा नहीं बता पा रही है. ऐसे में इस याचिका को विचाराधीन रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता. कोर्ट ने याची को कहा कि वह दूसरे वैकल्पिक विधिक उपाय अपनाने के लिए स्वतंत्र है.

याची को मिली यह बड़ी छूट

इलाहाबाद हाई कोर्ट लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए उनकी नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका को निस्तारित कर दिया है. हालांकि, हाई कोर्ट ने इस फैसले के साथ ही याची एस विग्नेश शिशिर को एक खास छूट दी है. कोर्ट ने कहा है कि वह इस मामले में अन्य विधिक वैकल्पिक उपाय अपना सकते हैं.

यहां समझें पूरा मामला

याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि उसके पास सभी दस्तावेजों के साथ ब्रिटिश सरकार की कुछ ई-मेल भी हैं जो इस बात को साबित करते हैं कि राहुल गांधी एक ब्रिटिश नागरिक हैं. याचिकाकर्ता ने कहा था कि राहुल गांधी भारत में चुनाव लड़ने के लिए योग्य नहीं है.

जबलपुर के IIITDM गर्ल्स हॉस्टल में MMS कांड

छात्रा 2 साल से नहाती हुई लड़कियों के बनाती थी न्यूड वीडियो, बॉयफ्रेंड को भी भेजे

जबलपुर. मध्य प्रदेश के जबलपुर में डुमना एयरपोर्ट रोड पर स्थित IIITDM (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग) में एक सनसनीखेज MMS कांड सामने आया है. आरोप है कि एक छात्रा ने हॉस्टल में नहाते हुए अन्य लड़कियों के न्यूड वीडियो बनाए और इन्हें दिल्ली स्थित अपने बॉयफ्रेंड को भेजा. जबलपुर के इस संस्थान की गिनती देश के नामचीन ट्रिपल आईटी संस्थानों में होती है.

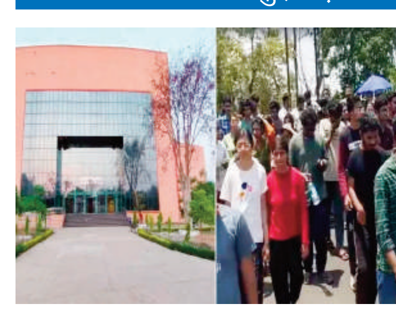

ऐसे खुला राज

यह मामला तब उजागर हुआ जब एक लड़की को शक हुआ और उसने देखा कि BTECH, CSC सेकंड ईयर की छात्रा वीडियो बना रही थी. उसने बताया कि जब वह हॉस्टल में नहा रही थी. उसी दौरान बाथरूम के ऊपर से उसे एक हाथ दिखाई दिया, देखा तो हाथ में एक डिवाइस था. उसने बाहर निकलकर देखा तो एक छात्रा डिवाइस से उसका वीडियो बना रही थी. इसके बाद, बाकी हॉस्टल की लड़कियों ने आरोपी छात्रा को पकड़ लिया और उसे कॉलेज प्रबंधन के हवाले कर दिया.

बॉयफ्रेंड को वीडियो भेजने की बात कबूली

पूछताछ में आरोपी छात्रा ने कबूल किया कि वह पिछले 2 साल से यह वीडियो बना रही थी. जानकारी के अनुसार, आरोपी छात्रा ने दिल्ली में मौजूद अपने बॉयफ्रेंड को वीडियो भेजने की बात कबूली है. हालांकि, कॉलेज प्रशासन इस बात की जांच कर रहा है कि क्या वीडियो सचमुच बॉयफ्रेंड को भेजे गए थे या कुछ और मंशा थी. आरोपी छात्रा से 2 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद किया गया है.

कॉलेज में 400 से ज्यादा छात्राएं

मामला सामने आते ही हॉस्टल की अन्य छात्राओं ने डुमना पुलिस चौकी का घेराव किया. मामले से नाराज छात्र-छात्राओं ने सोमवार को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और आरोपी छात्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. छात्राओं का कहना है कि कॉलेज में करीब 400 से ज्यादा छात्राएं हैं.

जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े 'कैश कांड' की जांच पूरी

समिति ने CJI को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली. जस्टिस यशवंत वर्मा के यहां अग्निकांड में अकूत नकदी मिलने के मामले की जांच करने वाली 3 जजों की इन-हाउस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंप दी है. पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी.

एस. संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति अनु शिवरामन की 3 सदस्यीय समिति ने जांच रिपोर्ट सौंपी है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज पर थे आरोप

यह समिति इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के विरुद्ध लगे आरोपों की जांच के लिए गठित की गई थी.

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने किया था समिति का गठन

इस समिति का गठन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने घटना के सात दिन बाद, 22 मार्च को किया था.

रूस आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ

पुतिन ने स्वीकार किया भारत आने का न्योता, मोदी से बोले- बाहरी ताकतों का हमारे संबंधों पर असर नहीं

मॉस्को. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत आने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है. क्रेमलिन का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है. इससे पहले पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की और पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की. रूसी राष्ट्रपति ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को रूस का पूरा समर्थन देने की बात कही. दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि रूस और भारत के बीच संबंध बाहरी प्रभाव से प्रभावित नहीं हैं और लगातार विकसित होते रहेंगे.
पुतिन ने पीएम मोदी को किया फोन
विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया, 'रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की.

आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ रूस: रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए. दोनों नेताओं ने विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.' पुतिन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही है.₹

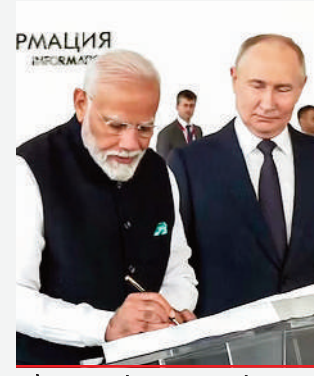

पीएम मोदी ने दिया भारत आने का न्योता

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पुतिन को विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और उन्हें इस साल के अंत में भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए बुलाया है.

अमेरिका के फीनिक्स में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

हमलावरों ने रेस्तरां में 9 लोगों को मारी गोली

ग्लेनडेल. अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की बड़ी घटना हुई है. घटना फीनिक्स में हुई है. फीनिक्स के एक रेस्तरां में 9 लोगों को गोली मार दी गई है. पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है. ग्लेनडेल पुलिस के अधिकारी मोरोनी मेंडेज ने घटनास्थल पर बताया कि पुलिस को लगभग 7 बजकर 45 मिनट पर एल कैमरोन गिगांटे मैरिसकोस एंड

स्टीकहाउस में गोलीबारी की सूचना मिली.

लोगों से की जा रही है पूछताछ

मेंडेज ने कहा कि प्रारंभिक जांच के दौरान पीड़ितों की संख्या तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाई, लेकिन माना जा रहा है कि 9 लोगों को गोली मारी गई है. पीड़ितों की चिकित्सा स्थिति के बारे में तत्काल जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है. मेंडेज के अनुसार, पुलिस का मानना है कि इस घटना में एक से अधिक शूटर शामिल थे. जांचकर्ताओं ने किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया है, लेकिन कई लोगों से पूछताछ की जा रही है.

राजनीति | असम CM का बयान, राज्य से 3 और गिरफ्तार

'पाकिस्तान जिंदाबाद कहने वालों की टांगें तोड़ देंगे'

गुवाहाटी. पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकवादी हमले के बाद असम में पाकिस्तान के समर्थन में बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है. अब तक राज्य भर से कुल 42 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. राज्य से 3 और गिरफ्तारियां हुई हैं. मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने चेतावनी दी कि 'पाकिस्तान जिंदाबाद' बोलने वालों की टांगें तोड़ी जाएंगी.

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना के लिए प्रार्थना करे जनता': मुख्यमंत्री सरमा ने एक चुनावी रैली में कहा था कि अगर कोई 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाएगा, तो उसकी टांगें तोड़ दी जाएंगी. उन्होंने जनता से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना के लिए प्रार्थना करें, ताकि जो भी पाकिस्तानी आतंकी दुनिया में कहीं भी छिपे हों, उन्हें ढूंढकर सजा दी जा सके. पहलगाम हमले के बाद देशभर में गुस्से का माहौल है.सरकार ने साफ कर दिया है कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और देश की सुरक्षा सर्वोपरि है.

असम में फिर 3 गिरफ्तार

मुख्यमंत्री ने बताया कि ताजा कार्रवाई में बारपेटा, होजाई और चिरांग जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. उन्होंने लिखा, 'भारतीय भूमि पर पाकिस्तान का समर्थन करने वाले गद्दारों के खिलाफ कार्रवाई जारी है. अब तक कुल 42 राष्ट्रविरोधी तत्वों को जेल भेजा गया है.'

विधायक भी हो चुके हैं गिरफ्तार

इससे पहले ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (AIUDF) के विधायक अमीनुल इस्लाम को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. उन पर पाकिस्तान और पहलगाम हमले में उसकी संलिप्तता को लेकर कथित तौर पर समर्थन जताने का आरोप है.

बर्खास्त हुई मेरठ की लेडी सब-इंस्पेक्टर

घूस लेने पर कोर्ट ने सुनाई थी 7 साल की सजा

मेरठ. यूपी के मेरठ में भ्रष्टाचार के एक पुराने मामले में दोषी पाई गई महिला सब इंस्पेक्टर अमृता यादव को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी.

20 हजार की रिश्वत के साथ हुई थी गिरफ्तार

उन्होंने बताया कि अमृता यादव को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषी ठहराए जाने के बाद सेवा से हटाया गया है. न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमृता यादव पर 2017 में कोतवाली थाना, मेरठ में तैनाती के दौरान एक मामले से गंभीर धाराएं हटाने के बदले 20,000 की रिश्वत लेने का आरोप लगा था. बताया जा रहा है कि वह एक मामले में हस्तक्षेप कर रही थीं और इसके बदले पैसे की मांग की थी. इस शिकायत के बाद एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई करते हुए उन्हें बुढ़ाना गेट पुलिस चौकी पर रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था. घटना के बाद अमृता यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था और विस्तृत जांच के बाद मामला कोर्ट में भेजा गया.

पाक की लाल मस्जिद में मौलाना ने पूछा

भारत के खिलाफ जंग में कितने लोग मुल्क का देंगे साथ,

इस्लामाबाद. भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कोई लड़ाई शुरू भी नहीं हुई है. इससे पहले ही पाकिस्तान में बगावत के सुर उठने लगे हैं. लाल मस्जिद से मौलाना ने ऐलान किया है कि भारत के खिलाफ जंग में लोग पाकिस्तान का साथ नहीं देंगे. मौलाना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे पाकिस्तान के पूर्व राजदूत हुसैन हक्कानी ने शेयर किया है. इंडिया टीवी इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता, लेकिन इस वीडियो में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बगावत साफ नजर आ रही है.
वीडियो शेयर करते हुए हुसैन हक्कानी ने लिखा ₹लाल मस्जिद के मौलाना अब्दुल अजीज गाजी का भाषण सुनिए, जिसमें उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान की लड़ाई इस्लाम की नहीं, राष्ट्रवाद की लड़ाई है और पाकिस्तान में भारत से भी ज्यादा जुल्म है, आदि. उन सरकारी अधिकारियों को ध्यान से सुनिए जो इन सज्जनों को संरक्षण देते हैं और धर्मनिरपेक्ष पाकिस्तानियों को खतरा मानते हैं.

खौफ में पाकिस्तान: भारत पाकिस्तान पर बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा है, जिससे पाकिस्तान खौफ में है. इस बीच पाकिस्तान में ही शहबाज शरीफ सरकार के विरोध में आवाज उठने लगी है. इस्लामाबाद की लाल मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल अजीज गाजी ने भी भारत के साथ जंग में पाकिस्तान का साथ न देने की बात कही है.

इमाम ने क्या कहा?

वीडियो में इमाम को कहते सुना जा सकता है कि भारत के साथ जंग इस्लामिक जंग नहीं ये कौमियत की जंग है. इसलिए पाकिस्तान के लोग इस जंग में पाकिस्तान की सेना का साथ नहीं देंगे. उन्होंने कहा ₹हिंदुस्तान पाकिस्तान की जंग में आप में से कितने लोग पाकिस्तान का साथ देंगे.. कम ही नजर आ रहे हैं. इसका मतलब है कि काफी समझ पैदा हो चुकी है. मसला ये है कि पाकिस्तान और हिंदुस्तान की जंग इस्लाम की जंग ही नहीं है. पाकिस्तान की जंग कौमियत की जंग है. आज पाकिस्तान में जो निजाम है, जो जालिमाना निजाम है, वो हिंदुस्तान से ज्यादा बढ़कर है. हिंदुस्तान में इतना जुल्म नहीं है, जितना पाकिस्तान में जुल्म है.

अजित को CM बनना है तो वापस MVA में आएं

उद्धव गुट के नेता ने दिया ऑफर

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में बीते कुछ सालों में काफी उतार चढ़ाव हुए हैं. अब शिवसेना उद्धव गुट के नेता ने अजित पवार को सीएम बनन के लिए बड़ा ऑफर दिया है. शिवसेना यूबीटी के नेता विनायक राऊत ने अजित पवार को मुख्यमंत्री बनने के लिए बड़ा ऑफर दिया है. विनायक राऊत ने कहा है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार अगर सीएम बनना चाहते हैं तो उन्हें महा विकास आघाडी में वापस आ जाना चाहिए. विनायक राऊत ने कहा है कि अजित पवार सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में मुख्यमंत्री नहीं बन सकते. महाराष्ट्र की राजनीति में बीते कुछ सालों में काफी उतार चढ़ाव हुए

हैं. पहले भाजपा-शिवसेना का दशकों पुराना गठबंधन टूटा, फिर उद्धव ठाकरे की शिवसेना पार्टी टूटी और इसके बाद शरद पवार की एनसीपी भी टूट गई. तत्कालीन शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे और एनसीपी के दिग्गज नेता अजित पवार आज भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र की सत्ता में हैं. एकनाथ शिंदे और अजित पवार दोनों डिप्टी सीएम के पद पर हैं.

ऐसी जगह आएं जहां अवसर मिले : विनायक राऊत

- विनायक राऊत वर्तमान में शिवसेना यूबीटी पार्टी के सचिव हैं. वह इससे पहले राज्य की रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से सांसद भी रह चुके हैं.
- विनायक राऊत ने कहा- ''अजित पवार वर्तमान में जिस गठबंधन में हैं, उसमें वह कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते.
- अगर उन्हें मुख्यमंत्री बनना है, तो उन्हें एमवीए में वापस आना होगा. मुख्यमंत्री बनने का सपना देखने के बजाय, उन्हें ऐसी जगह आना चाहिए, जहां उन्हें वह अवसर मिल सके.''
- अजित पवार कई बार सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं. हाल ही में महाराष्ट्र महोत्सव के दौरान अजित पवार ने "हम सभी को ऐसा लगता है कि महिला मुख्यमंत्री होनी चाहिए. लेकिन उसके लिए संयोग भी होना जरूरी है.
- अब देखिए ना मुझे भी कई वर्षों से लगता है कि मैं मुख्यमंत्री बनूं लेकिन कहां बात बन पाती है. कभी ना कभी तो वो दिन आएगा."

लाडली बहनों की उम्मीदें टूटीं , मंत्रियों ने स्वयं कही यह बात

1500 को 2100 रुपये नहीं कर सकते

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति ने लाडली बहनों को 2100 रुपए हर महीने देने का वादा किया था. लेकिन सरकार बनने के बाद वादे को पूरा करने में आनाकानी हो रही है. अब महायुति सरकार के मंत्रियों ने ही कह दिया है कि 1500 रुपये को 2100 रुपये करना मुश्किल है. इससे लाडली बहनों को निराशा हुई है. सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने कहा है कि राज्य की आर्थिक स्थिति को ठीक करना एक बड़ा मुद्दा है. उन्होंने यह भी कहा कि 1500 को 2100 करना संभव नहीं है. वहीं दूसरी ओर एनसीपी के हसन मुश्रीफ ने शिरसाट के बयान पर असहमति जताई है. उन्होंने कहा कि शिरसाट को वित्त विभाग के अधिकारियों से बात करनी चाहिए थी. सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने कहा है कि 1500 रुपये को 2100 रुपये करना मुश्किल है. उन्होंने कहा कि कई लोग लाडली बहन योजना को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं. वे कह रहे हैं कि यह योजना बंद हो

जाएगी या पैसे कम मिलेंगे. ऐसा कुछ नहीं है. हम योजना के लिए पैसे देंगे. यह हमारा वादा है और हम इसे पूरा करेंगे. राज्य की तिजोरी पर आर्थिक बोझ है. इसके लिए अलग-अलग विकल्प हैं. भले ही कर्ज लेना पड़े. लेकिन हम लाडली बहन योजना को बंद नहीं कर सकते. शिरसाट के आरोपों पर एनसीपी के हसन मुश्रीफ ने जवाब दिया. उन्होंने कहा कि मंत्री संजय शिरसाट मेरे अच्छे दोस्त हैं. लेकिन वे अभी नए-नए मंत्री बने हैं. उन्हें वित्त विभाग के अधिकारियों से बात करनी चाहिए थी और स्थिति को समझना चाहिए था. अपने ही एक वरिष्ठ नेता को ऐसी उपमा देना गलत है. अजित दादा आसमान से पैसे नहीं लाएंगे और न ही वे पैसे घर ले गए हैं. हर महीने पैसे देते समय परेशानी होती है. यह स्वाभाविक है.

उद्धव शिवसेना का पलटवार

उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने इस बयान को लेकर सरकार पर हमला बोला है. पार्टी ने कहा,"चुनाव से पहले लाड़ली बहनों को 2100 रुपए देने का वादा किया गया था. अब सरकार अपने ही वादे से मुकर रही है. यह महिलाओं के साथ धोखा है. हम इसके खिलाफ सड़क पर उतरेंगे और आंदोलन करेंगे.

लाडली बहन योजना के लिए कम पड़ रहे पैसे

शिरसाट ने यह भी कहा कि लाडली बहन योजना के लिए पैसे कम पड़ रहे हैं. इसलिए आदिवासी विकास और सामाजिक न्याय विभागों का पैसा महिला और बाल कल्याण विभाग को दिया जा रहा है. उन्होंने इस पर नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि लाडली बहन योजना के बारे में फरवरी में मेरे पास एक फाइल आई थी. मैंने उसमें स्पष्ट रूप से लिखा था कि हम इस विभाग से अल्पसंख्यक और दलितों को सुविधाएं देते हैं. इसलिए इन विभागों के पैसे में कटौती नहीं करनी चाहिए. मेरे विभाग के पैसे को कम या ट्रांसफर नहीं करना चाहिए. शिरसाट ने लाडली बहन योजना के लिए सामाजिक न्याय विभाग का पैसा ट्रांसफर करने पर नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि वित्त विभाग में शकुनी बैठे हैं. उनका इशारा वित्त मंत्री अजित पवार की ओर था. उन्होंने कहा कि अगर विभाग की जरूरत नहीं है या उस विभाग के पैसे खर्च नहीं करने हैं, तो विभाग को बंद कर देना चाहिए.

फास्ट ट्रैक

बीजेपी का अन्याय खत्म करेंगे

मुंबई. महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा है कि भक्त प्रहलाद की जैसी भक्ति थी, वैसी ही भक्ति कांग्रेस जनों के आचरण, विचार और वाणी में दिखाई देती है. जब हम बार-बार कांग्रेस की बात करते हैं, तो दूसरी ओर रावण की तरह पीड़ा देने वाली सोच वाला पक्ष दल बदलने की बात करता है और कहता है कि केवल वही सही है. जैसे भक्त प्रहलाद की भक्ति से भगवान नरसिंह का अवतार हुआ, वैसे ही ईवीएम या बैलेट पेपर के माध्यम से नरसिंह रूप अवतार आएगा और राक्षस रूपी बीजेपी के अन्याय को समाप्त किए बिना नहीं रहेगा.

बस पलटी, 35 यात्री हुए घायल

मुंबई. महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के कर्नाला में रात एक निजी बस के पलट जाने से कम से कम 35 यात्री घायल हो गए. राहत की बात यह है कि इस दुर्घटना में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई है. यह घटना कर्नाला इलाके में हुई जब बस अनियंत्रित होकर पलट गई. दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया.

बुर्का पहने महिला ने मुंबई में हटाए पाकी झंडे वाले स्टीकर

अहमदाबाद. पहलगाम हमले के बीच देश में आतंकी घटना को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश है तो वहीं दूसरी ओर मुंबई में पाकिस्तान के झंडे हटाने का मामला सामने आया है.

मंदिर में शिवलिंग के अपमान पर बवाल

इलाके में तनाव के बाद भारी पुलिस बल तैनात

पुणे. पुणे के मुलशी तहसील में स्थित एक गांव में शिवलिंग के कथित अपमान की घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है. पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में 16 वर्षीय नाबालिग लड़के को हिरासत में ले लिया है और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने दोनों पक्षों को ध्यान में रखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है. घटना के बाद शनिवार को हिंदू समुदाय के लोगों पौड में विरोध मार्च निकाला. इसके बाद आज विरोध स्वरूप मुलशी तालुका में पूर्ण बंद का आह्वान किया गया है. वहीं, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने पौड और मुलशी तालुका के अन्य संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है.

पिता-पुत्र को पकड़ा

पुलिस ने बताया कि मुलशी तालुका में शुक्रवार को पौड़ गांव में शिवलिंग के कथित अपमान को लेकर शिकायत मिली थी. शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और नाबालिग आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है.

CCTV में कैद हुई हरकत

पौड पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक संतोष गिरिगोसावी ने कहा, 'मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में 16 वर्षीय किशोर को स्थानीय देवता की मूर्ति को अपवित्र करते हुए दिखाया गया है और जब स्थानीय लोगों ने परिवार से संपर्क किया तो उन्हें उदासीनता का सामना करना पड़ा.'उन्होंने कहा कि लड़के के पिता ने कथित तौर पर धमकी भरी भाषा का प्रयोग किया, जिसके कारण उन्हें पुलिस से संपर्क करना पड़ा.इसके अलावा घटना के बाद लावले, घोटावडे और पिरंगुट समेत आस-पास के गांवों के लोगों एक बैठक में बढ़ते तनाव के बीच स्थानीय मस्जिदों में बाहरी लोगों की एंट्री प्रतिबंधित कर दी है.

नक्सलियों से संबंधों के आरोप में शख्स गिरफ्तार

2011 से था वांछित

मुंबई. महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (ATS) ने रायगढ़ जिले में 44 वर्षीय एक व्यक्ति को नक्सलियों से संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी. अधिकारी के मुताबिक प्रशांत जलिंदर कांबले उर्फ लैपटॉप 2011 से ही एक "अर्बन नक्सल" मामले में वांछित था. 2 साल पहले महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के वरिष्ठ नेता मिलिंद तेलतुंबडे और शीर्ष "माओवादी" एंजेला सोनटक्के का नाम भी 2011 की एफआईआर में दर्ज है.

एटीएस अधिकारियों के अनुसार कांबले पिछले छह-सात सालों से

रायगढ़ जिले के खोपोली इलाके में छिपा हुआ था. जहां वह आदिवासी बच्चों को पढ़ाता था. पुणे के ताड़ीवाला रोड इलाके का रहने वाला कांबले कंप्यूटर और लैपटॉप की मरम्मत करता था. अधिकारी ने बताया कि वह कबीर कला मंच नामक सांस्कृतिक समूह के संपर्क में आया, जिस पर नक्सलवाद से जुड़े होने के आरोप हैं.अधिकारी ने बताया कि कांबले ने 2010 में घर छोड़ दिया था और दावा किया था कि वह काम के लिए मुंबई जा रहा है, लेकिन कभी वापस नहीं लौटा.

वह और संतोष शेलार, जो पुणे से लापता है, बाद में गडचिरोली के जंगलों में सीपीआई (माओवादी) के सक्रिय सदस्य बन गए. जनवरी 2024 में संतोष शेलार बीमार हालत में पुणे में अपने घर लौटा, जहां उसे एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों ने बताया कि कांबले नक्सली विचारधारा का कट्टर अनुयायी है. 2011 के मामले के बाद कांबले को अदालत ने फरार घोषित कर दिया था और उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया था.अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर एटीएस की पुणे इकाई ने कांबले को खोपोली से पकड़ा. इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. यहां से कांबले को मुंबई की एक अदालत में पेश किया गया, जहां उसे 13 मई तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया गया.

कांग्रेस नेताओं को BJP में शामिल करो

महाराष्ट्र के भाजपा प्रमुख बोले

पुणे. महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख और राज्य मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कथित तौर पर पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा- कांग्रेस के नेताओं को शामिल करके इस पार्टी को ही खाली करा दीजिए. उनके इस बयान से कांग्रेस में नाराजगी बढ़ गई है. कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी लोगों की है और वे "वैचारिक रूप से" इससे जुड़े हुए हैं. बता दें कि बावनकुले ने पुणे में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह विवादित टिप्पणी की थी. सोशल मीडिया पर सामने आए उनके भाषण के एक ऑडियो क्लिप में, भाजपा नेता ने कहा, "संग्राम थोपटे जैसे लोगों को पार्टी में लाओ. कांग्रेस को खाली कर दो. इस बात

की चिंता मत करो कि अगर कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हो गए तो क्या होगा. जितना आप कांग्रेस को खाली करेंगे, उतना ही आपको राजनीतिक रूप से फायदा होगा. देवेंद्र फडणवीस, मुरलीधर मोहोल (पुणे लोकसभा सांसद) और मैं आपके साथ हैं. जब भाजपा टिकट देती है, तो वह अपने कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देती है."

बावनकुले के बयान पर कांग्रेस ने कसा तंज

बावनकुले के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोगों की पार्टी है और वे वैचारिक रूप से इससे जुड़े हुए हैं. उन्होंने कहा कि कई लोगों ने पहले भी कांग्रेस पर निशाना साधा है, लेकिन पार्टी लोगों की है और वे इसकी विचारधारा के कारण इससे जुड़े हुए हैं. गायकवाड़ ने कहा कि अन्य पार्टियों के बारे में ऐसी टिप्पणी करने के बजाय नेताओं को अपने दल का ध्यान रखना चाहिए.

राहुल के बयान की राऊत ने की तारीफ

मंत्री सरनाईक बोले- 'ऐसा लगता है यह उनकी बचकानी हरकत'

मुंबई. शिवसेना (UBT) नेता संजय राऊत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के ऑपरेशन ब्लू स्टार पर दिए बयान की तारीफ की, जिसके बाद अब इस मसले को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है. महाराष्ट्र के मंत्री प्रताप सरनाईक ने संजय राऊत को घेरते हुए कहा कि राहुल गांधी के बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि ये उनकी बचकानी हरकत है. महाराष्ट्र के मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, "ऐसा लगता है कि संजय राऊत हमेशा जो गलतियां करते रहे हैं, फिर उन्होंने वही गलती की है. उन्हें कहना चाहिए था कि राहुल गांधी को पीएम मोदी और अमित शाह से कुछ सीखना चाहिए. खास बात यह है कि 1980 में जो बात हो गई है, उसके लिए राहुल गांधी आज माफी मांगते हैं तो बचपना है. उस वक्त इंदिरा गांधी ने जो निर्णय लिया था, उनके साथ में जो लोग थे, कई आज भी जिंदा हैं. उन्होंने गलती की है अगर वो ऐसा मान रहे हैं तो वो भी गलत थे जो आज जिंदा हैं.'' उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राऊत ने कहा, ''राहुल गांधी एक साफ-सुथरे और ईमानदार नेता हैं, जो अपनी गलतियों को स्वीकार करने की हिम्मत रखते हैं. राहुल गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानकर बड़ी बात की है, जबकि उस समय वह राजनीति में नहीं थे. गलती स्वीकार करना राजनीति में दुर्लभ है. प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को उनसे सीख लेनी चाहिए. राऊत ने आगे यह भी कहा, ''ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सेना के जनरल को खोया, लेकिन राहुल ने उस दौर की गलती को स्वीकार कर साहस दिखाया. हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेता है. राजनीति में गलती स्वीकार करना बहुत बड़ी बात होती है. पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को राहुल गांधी से गलती स्वीकार करना और आगे बढ़ना सीखना चाहिए.''

राहुल माफी मांगते थक जाएंगे : सरनाईक

उन्होंने ये भी कहा, ''राहुल गांधी यह भी कहते थे कि जब वे छोटे थे तो इंदिरा गांधी से इस बारे में राजनीतिक चर्चा करते थे, तो उनके बयान को दिल पर लेने की जरूरत नहीं है. यह उनका बचपना है. अगर 45 साल पहले की घटना को लेकर माफी मांगते हैं तो कांग्रेस ने 1947 से लेकर 2000 के दौरान जो गलतियां की हैं, उसके लिए माफी मांगते-मांगते राहुल गांधी थक जाएंगे. उनको इतनी माफी मांगनी पड़ेगी कि जो व्याख्या है वह बदल जाएगी.''

मतदान | प्रशासन ने शुरू कर दी हैं तैयारियां

क्या जल्द बजेगा मुंबई मनपा चुनाव का बिगुल ?

मुंबई. लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद सबकी निगाहें अब स्थानीय निकाय चुनावों पर टिकी हैं. हालांकि स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई चल रही है. लेकिन चुनाव की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं. बीते दिनों कई सरकारी दफ्तरों के कर्मचारियों को बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) के पद पर ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए. मुंबई महानगरपालिका समेत राज्य की कई महानगरपालिकाओं के चुनाव कोरोना काल से नहीं हुए हैं. इन सभी जगहों पर प्रशासक कामकाज संभाल रहे हैं. चुनावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है. इस पर 6 मई को सुनवाई होनी है. उस दिन चुनावों को लेकर कुछ संकेत मिल सकते हैं. इसी बीच प्रशासन ने चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है. बीते दिनों कुछ सरकारी दफ्तरों में विधानसभा चुनावों में बीएलओ के पद पर काम कर चुके

कर्मचारियों को मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए तुरंत ज्वाइन करने को कहा गया है. इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर वे जल्दी ज्वाइन नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. बीएलओ का काम मतदाता सूची को अपडेट करना और उसमें से नाम जोड़ना और हटाना होता है. एक बीएलओ के पास 2 मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी होती है.

उल्हासनगर नगर पालिका प्रथम

राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री की 100 दिवसीय कार्य योजना पहल को क्रियान्वित किया. इसके तहत सरकारी कार्यालयों का अलग-अलग समूहों में मूल्यांकन किया गया. इसमें राज्य के 48 विभागों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालय भी शामिल थे. ख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर परिणामों की घोषणा की. इसमें मनपा आयुक्त समूह में पिंपरी-चिंचवड़ को दूसरा स्थान मिला. उल्हासनगर नगर पालिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. तीसरा स्थान पनवेल और नवी मुंबई नगर निगम (79.43 प्रतिशत अंक) के बीच साझा रहा. दूसरी ओर मुख्यमंत्री की अंतिम मूल्यांकन में पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है.

सर्वदलीय बैठक में सरकार को समर्थन दिया था

2 हफ्ते पूरे होने पर सुप्रिया सुले ने कहा

मुंबई. पहलगाम हमले के 2 हफ्ते होने के बाद बाद बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि जो हुआ उसका हम कड़ा विरोध करते हैं. हम जब सर्वदलीय बैठक में गए थे तब हमने सरकार को वादा किया था कि हम भारत सरकार के साथ हैं. पिंपड़ी चिंचवाड़ में सोमवार को मीडिया से बातचीत में सुप्रिया सुले ने कहा, "पूरा विपक्ष ताकत के साथ सरकार के साथ खड़ा है. तभी ऐसी चर्चा हुई थी कि हम कोई भी विशेष टिप्पणी या कुछ नहीं कहेंगे, जिससे भारत को या भारत की एकता पर या भारत में आज जो हो रहा है, उसको कोई ठेस पहुंचे.

इसलिए हम पूरी ताकत के साथ सरकार से साथ खड़े हैं, यह वादा करके हम आए."राऊत के इस बयान पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर सुप्रिया सुले ने कहा, "एक सशक्त लोकतंत्र में हर एक को बोलने का अधिकार है और मांग करने का अधिकार है. इसमें गलत क्या है." क्या आपकी भी कोई मांग है, इस सवाल पर उन्होंने कहा, "मैं सांसद हूं और लोगों की सेवा करती हूं.

थोड़े दिन हम जरूर रूकेंगे

बारामती से सांसद ने आगे कहा, "थोड़े दिन हम जरूर रूकेंगे और जब इस पर चर्चा होगी तो हम इस पर जो हमारे सवाल हैं या हर भारतीय के मन में हैं, उस पर पूरी तरह से स्पष्टीकरण सरकार से लेंगे." इसके साथ ही उन्होंने उद्धव गुट के नेता विनायक राऊत के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी. दरअसल, विनायक राऊत ने कहा था कि अगर अजित पवार को महाराष्ट्र का सीएम बनना है तो उन्होंने महाविकास अघाड़ी में शामिल हो जाना चाहिए.

सोशल मीडिया पर भारत की पकड़ मजबूत श्रद्धा

श्रद्धा कपूर फिल्मी दुनिया में काफी कम वक्त में बहुत नाम कमा चुकी हैं. हाल ही में वो मुंबई में हो रहे वेव्स 2025 में शामिल हुई थीं. इस दौरान उन्होंने भारत के डिजिटल इकोसिस्टम पर बात की है. उनके साथ इस मंच में इंस्टाग्राम हेड एडम मोसेरी भी मौजूद थे. इस इवेंट के दौरान एक्ट्रेस का ये इंटेलिजेंट साइड लोगों को काफी पसंद आया है. हर साल से ज्यादा इस साल के वेव समिट की बात चारों ओर की जा रही है.

श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम हेड से बातचीत में ग्लोबल डिजिटल रिवोल्यूशन में इंडिया की पार्टिसिपेशन को लेकर चर्चा की. एक्ट्रेस ने कहा कि भारत न केवल इस चीज में पार्ट ले रहा है बल्कि इस रिवोल्यूशन को लीड भी कर रहा है. एक्ट्रेस के इस तरह के जवाब ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया है. इसके साथ ही एक्ट्रेस की इस बात पर सभी ने सहमति भी दी है. सोशल मीडिया की बात करें, तो एक्ट्रेस अपने नेटवर्किंग फीड पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं.श्रद्धा कपूर के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर 91 मिलियन फॉलोअर्स हैं. हालांकि, एक्ट्रेस का सोशल मीडिया अकाउंट बाकी फिल्मी सितारों से काफी अलग है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया के जरिए असली कनेक्शन भी बनाया है. एडम मोसेरी से बातचीत में उन्होंने बताया कि आने वाला समय अलग-अलग भाषाओं और अलग-अलग संस्कृति से भरा हुआ होने वाला है. आगे उन्होंने इंस्टाग्राम के अहमियत के बारे में कहा कि इसके जरिए जमीनी स्तर से जुड़े लोगों की आवाज का जरिया है.काफी सारे लोग एक्ट्रेस के उनके सिंपल व्यवहार के लिए पसंद करते हैं. वेव समिट के मौके पर श्रद्धा ने मोसेरी को महाराष्ट्र दिवस के मौके अपनी संस्कृति से रूबरू कराया. उन्होंने इंस्टाग्राम के हेड को घर की बनी पुरन पोली खिलाई. हालांकि, एक्ट्रेस का ये अंदाज उनकी फैन फॉलोइंग की वजह है. इस समिट के दौरान श्रद्धा का भारत के कम्युनिकेशन और कनेक्शन को आकार देने वाली डिजिटल दुनिया की गहराई समझने वाली एक्ट्रेस के तौर पर भी दुनिया से सामना हुआ है.

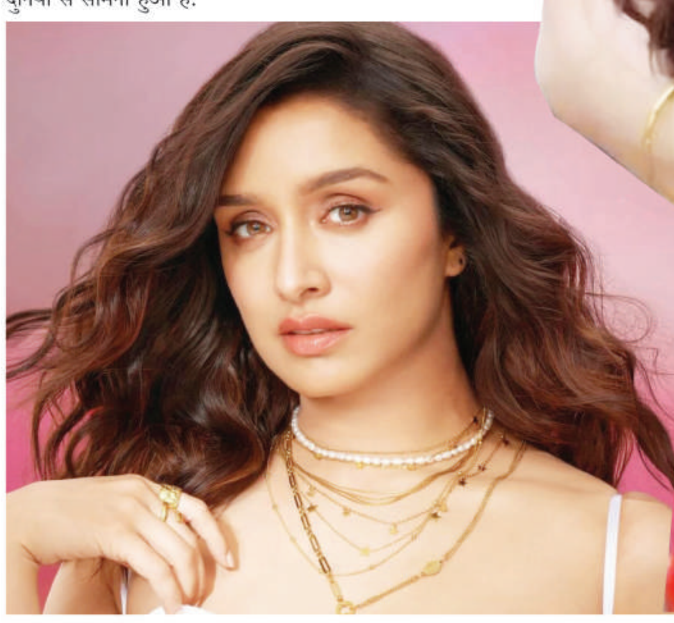

कितनी अमीर हैं हाउसफुल 5 की ये 5 एक्ट्रेस

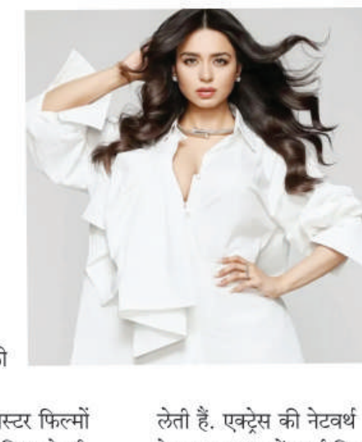

अक्षय कुमार की इस साल दो फिल्में आ चुकी हैं. पहली- 'स्काईफोर्स' और दूसरी- 'केसरी चैप्टर 2'. पर अच्छी बात यह है कि वो ट्रैक पर लौट रहे हैं. इसी बीच उनकी हाउसफुल 5 का टीजर आ गया है. 18 एक्टर्स की फौज में 5 एक्ट्रेस भी हैं. इसमें जैकलीन फर्नांडिस, चित्रांगदा सिंह, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा शामिल हैं. आइए जानते हैं कौन कितना अमीर है?जैकलीन फर्नांडिस: मॉडल एंड एक्ट्रेस जैकलीन ने सुजॉय घोष की अलादीन से एक्टिंग डेब्यू किया था. कई हिट, फ्लॉप और ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं. सोशल मीडिया से भी तगड़ी कमाई करती हैं. लाइफस्टाइल एशिया के मुताबिक, एक्ट्रेस की टोटल नेटवर्थ 116 करोड़ रुपये है. लगातार फिल्मों में काम कर रही हैं. नरगिस फाखरी: कभी मॉडल रहीं नरगिस को सबसे पहले रॉकस्टार में देखा गया था. इसके बाद मदरास कैफे, मैं तेरा हीरो समेत कुछ और फिल्मों में भी काम किया है. एक्ट्रेस जल्द हाउसफुल 5 में दिखने वाली हैं, टीजर में पहला लुक भी दिखा था. नरगिस फाखरी की नेटवर्थ 98 करोड़ के करीब है. सोनम बाजवा: पंजाबी सिनेमा का पॉपुलर नाम सोनम बाजवा भी अक्षय कुमार की फिल्म में दिखने वाली हैं. उन्होंने साल 2013 में 'बेस्ट ऑफ लक' से डेब्यू किया था. अब वो अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5' से हिंदी डेब्यू करने वाली हैं. हालांकि, इसके बाद कुछ और हिंदी फिल्मों में भी काम कर रही हैं. वो एक फिल्म के लिए 3 करोड़ फीस लेती हैं. एक्ट्रेस की नेटवर्थ 50 करोड़ से ज्यादा है.चित्रांगदा सिंह: एक्ट्रेस ने साल 2005 में आई फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' से हिंदी डेब्यू किया था. इसके बाद 'आई मी और मैं', 'बाजार' और बॉब बिस्वास समेत कई फिल्मों और वेब सीरीज में दिखी हैं. चित्रांगदा सिंह 35-40 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं.5. सौंदर्या शर्मा: अपने स्टाइल को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं. एक्ट्रेस ने 2017 में आई 'रांची डायरीज' से डेब्यू किया था. बिग बॉस का हिस्सा भी रह चुकी हैं.

पुष्पा 2 की सफलता पर बोले अल्लू अर्जुन

पुष्पा पार्ट 1 और पुष्पा पार्ट 2 ने अल्लू अर्जुन को साउथ सिनेमा के दायरे से निकालकर एक ऐसा आइकॉनिक हीरो बना दिया जो अपने कैरेक्टर और स्टाइल के लिए देश ही नहीं बल्कि दुनिया के कई और मुल्कों में पहचाने गए हैं. उन्होंने सुपरस्टारडम की परिभाषा बदल दी है. इन दोनों फिल्मों ने अल्लू अर्जुन को वो सक्सेस दी है, जो कभी अमिताभ बच्चन और रजनीकांत को मिली थी. अब पुष्पा का दूसरा मतलब अल्लू अर्जुन है. फेमस डायरेक्टर रामगोपाल वर्मा ने भी पुष्पा जैसे कैरेक्टर को इतिहास रचने वाला माना था. उन्होंने ये भी कहा कि अल्लू अर्जुन की छवि पुष्पा के रूप में अमर हो गई.भारतीय फिल्मों के इतिहास में ऐसे कई नजीर हैं, जहां हीरो अपने कैरेक्टर से सालों साल तक याद किए गए. पुष्पा उसी श्रेणी का कैरेक्टर था. अब सबसे अहम सवाल ये हो जाता है कि जो एक्टर पुष्पा के पहले भाग के ब्लॉकबस्टर हो जाने पर एक सुपरस्टार का दर्जा हासिल कर लेता है, तो उसे उसकी अगली फिल्म के ब्लॉकबस्टर होने पर क्या कहा जाना चाहिए. किसी भी एक्टर के लिए मीडिया की ओर से दिया गया नाम काफी अहम होता है. अमिताभ बच्चन को ही लें. मीडिया ने उनको सबसे पहले एंग्री यंग मैन कहा, फिर सुपरस्टार, मेगास्टार, बिग बी से लेकर महानायक तक कहा. बरुण दास जी ने पूछा कि अब आप एक सुपरस्टार से भी आगे निकल चुके हैं. इसके बाद से आपके जीवन में क्या-क्या बदलाव आए हैं. वह कौन सा फरफेक्ट शब्द होगा, जिससे आपको संबोधित किया जा सकेसुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने इस सवाल का बहुत ही सधे शब्दों में जवाब दिया. उन्होंने मुस्कराते हुए कहा कि वास्तव में मैं भी अपने लिए कोई ऐसा ही शब्द खोज रहा हूं. उन्होंने आगे कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि अब बहुत से लोग मेरा चेहरा पहचानते हैं. लेकिन ईमानदारी से बताऊं कि मैं अभी तक खुद को एक रीजनल एक्टर ही मानता रहा हूं. हां, सही है कि मैंने साउथ के राज्यों में काफी लोकप्रियता पाई है. लेकिन पुष्पा पूरे देश में गई तो पहले से अधिक पहचान बढ़ी.

'मुझसे शादी करोगी 2' मेंकार्तिक आर्यन की एंट्री

कार्तिक आर्यन को लेकर माहौल सेट है. इस वक्त उनकी कई फिल्मों पर काम चल रहा है. फिलहाल वो अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म का शूट कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ श्रीलीला भी दिखेंगी. इसके अलावा 'नागजिला', 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' भी शामिल हैं. कुछ इस साल रिलीज होंगी, तो कुछ अगले साल. बीते दिनों खबर आई थी कि साल 2004 की कॉमेडी फिल्म का सीक्वल बनेगा.

इसमें कार्तिक आर्यन और वरुण धवन एक साथ आएंगे. हालांकि, अब दूध का दूध, पानी का पानी हो गया है.इसी बीच हिंदुस्तान टाइम्स पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि कार्तिक आर्यन फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे. कार्तिक की 'मुझसे शादी करोगी 2' के लिए बातचीत करने की अफवाहें झूठी निकली.कार्तिक आर्यन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं. वहीं, उनके पास कुछ और प्रोजेक्ट हैं, जिन्हें वो पहले खत्म करना चाहते हैं. ऐसा भी अपडेट मिला है कि कार्तिक आर्यन मई में अनुराग बसु की फिल्म के लिए नॉर्थ ईस्ट में रहेंगे. इस दौरान साथ में श्रीलीला भी होंगी. हालांकि, फिल्म का नाम अबतक नहीं पता लगा है. लेकिन उनकी पिक्चर से कई लुक सामने आ गए हैं, जो काफी पसंद किए जा रहे हैं.हालांकि, कार्तिक आर्यन इस वक्त सोलो फिल्म में काम करने की प्लानिंग कर रहे हैं. एक्टर के मुताबिक, उनकी पर्सनल ग्रोथ के लिए यही सबसे बढ़िया फैसला है. हालांकि, मल्टी हीरो प्रोजेक्ट्स को लेकर वो कुछ खास इंटरेस्टेड नहीं दिख रहे हैं. दरअसल उनकी पिछली फिल्म ने जबरदस्त परफॉर्म किया था. भूल भुलैया 3 को काफी प्यार मिला था. इससे पहले कार्तिक की चंदू चैंपियन आई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस में ठीक-ठाक कलेक्शन कर लिया था. अब उनकी अगली फिल्म का इंतजार है.

सीता-पार्वती ऑनस्क्रीन रियल लाइफ में ग्लैमरस दिवाज़

पूजा शर्मा: टीवी एक्ट्रेस ने अपने टीवी करियर में कई अलग-अलग रोल किए हैं. जिस रोल के लिए वो सबसे ज्यादा चर्चा में रही हैं, वो है महाभारत की 'द्रौपदी'. इसके अलावा माता पार्वती और टीवी शो ''महाकाली: अंत ही आरंभ है'' में महाकाली का रोल भी किया था. लेकिन एक्ट्रेस रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं. लंबे वक्त से टीवी से गायब हैं.सोनारिका भदोरिया: पॉपुलर शो 'देवों के देव महादेव' में माता पार्वती का रोल किया था. लंबे वक्त तक वो इस शो में दिखी थीं, हालांकि, रियल लाइफ में अपने स्टाइल से हर किसी को टक्कर देती हैं. इसके अलावा भी कई शोज में काम किया है.मौनी रॉय इस लिस्ट में तीसरा नाम मौनी रॉय का है, जो अब फिल्मों में काम कर रही हैं. एक्ट्रेस ने टीवी के पॉपुलर शो 'देवों के देव महादेव' में सती का रोल निभाया था. इस दौरान उनका नाम मोहित रैना संग भी जुड़ा था. लेकिन खास बात यह है कि इसी रोल से उन्हें पॉपुलैरिटी भी हासिल हुई थी.देबिना बनर्जी: गुरमीत चौधरी की पत्नी और देबिना 'रामायण' में माता सीता का किरदार निभा चुकी हैं. हालांकि, इसी शो में उनके पति ने भगवान राम का रोल किया था. साल 2008 में आई इस रामायण को आनंद सागर ने बनाया था. दोनों को लोग भगवान मानकर पूजा करते थे. लेकिन बाद में एक्ट्रेस स्टाइल को लेकर खूब ट्रोल हुईं. पूजा बनर्जी: टीवी शो 'देवों के देव महादेव' में पार्वती का रोल किया था. दरअसल जब सोनारिका ने शो छोड़ा, तो पूजा ने शो में उनकी जगह ली थी. इसके अलावा वो 'जग जननी मां वैष्णो देवी' में माता वैष्णो देवी का रोल भी प्ले कर चुकी हैं. इस वक्त जय महालक्ष्मी में दिख रही हैं.

अबीर गुलाल' के रिलीज करने के सपोर्ट में आए प्रकाश राज

साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री तक काम करने वाले एक्टर प्रकाश राज अपनी जबरदस्त अदाकारी के लिए जाने जाते हैं. इसके साथ ही वह अपनी बेबाकी के लिए भी मशहूर हैं. प्रकाश राज आए दिन सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट से लोगों का ध्यान खींचते हैं. अब एक बार फिर उनका एक लेटेस्ट बयान चर्चा में आ गया है. दरअसल, प्रकाश राज ने पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की बैन हुई फिल्म 'अबीर गुलाल' को लेकर रिएक्शन दिया है. आइए जानते हैं कि एक्टर प्रकाश राज ने क्या कहा है.प्रकाश राज ने हाल ही में 'लल्लनटॉप' के साथ बात की है. इस दौरान उन्होंने फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल' के बैन होने पर प्रतिक्रिया दी. प्रकाश राज ने कहा, 'मैं किसी भी फिल्म को बैन करने के समर्थन में नहीं हूं, चाहे वो कोई प्रोपेगैंडा फिल्म हो या किसी और तरह की फिल्म, आप उसे रिलीज करो. आप लोगों को तय करने दो, ये उनका अधिकार है. आप किसी फिल्म को बैन नहीं कर सकते जब तक उस फिल्म में पोर्नोग्राफी या चाइल्ड एब्यूज जैसी चीजें दिखाई जे रहीं. आज के समय में कोई भी किसी बात से आहत हो सकता है. फिल्म पठान में दीपिका पादुकोण के गाने बेशर्म रंग में सिर्फ उनकी ड्रेस के रंग पर लोग नाराज हो गए. इसके बाद एक्ट्रेस को जान से मारने की धमकी देने लगे. वो किसी भी बात पर बवाल कर सकते हैं. ये सब जो सरकार है, वो उन्हें ऐसा करने के लिए सपोर्ट कर रहे हैं ताकि समाज में एक डर बना रहे.

बाबिल खान को विंदु दारा सिंह ने दी सलाह

एक्टर बाबिल खान ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसे देखकर हर कोई टेंशन में आ गया. दरअसल इस वीडियो में बाबिल रोते-बिलखते नजर आ रहे थे और साथ ही कह रहे थे कि बॉलीवुड एक फेक इंडस्ट्री है. केवल इतना ही नहीं उन्होंने कई स्टारकिड्स के नाम लेते हुए यह बात कही थी. हालांकि बाद में बाबिल ने इस वीडियो को अपनी स्टोरी से डिलीट कर दिया और अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी डिएक्टिवेट कर दिया था. वहीं अब बाबिल के इस वीडियो पर एक्टर विंदु दारा सिंह ने रिएक्ट किया है.हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए एक इंटरव्यू में विंदु दारा सिंह से जब बाबिल खान के वायरल वीडियो को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'बाबिल भी एक स्टारकिड है, वो तो सुपरस्टार का किड है. लेकिन जब आप डिप्रेस्ड होते हो तब सोशल मीडिया पर मत जाओ. जब अप्सेट होते हो तो सोशल मीडिया पर मत जाओ. हम सब लकी हैं जो हम हिंदुस्तान में पैदा हुए हैं. हम सब लकी हैं कि बॉलीवुड में यहां तक आए हैं और लोग हमें पहचानते हैं. तुम्हें लोग पहचानते हैं, इतना ही बहुत है. बाबिल को अभी सारी दुनिया नहीं पहचानती है लेकिन एक दिन पहचानेगी और उस दिन ये रिग्रेट करेगा कि उसने ये वीडियो बनाया.

शूटिंग सेट पर गिरते-गिरते बचे वरुण धवन

पिछली बार फिल्म 'बेबी जॉन' में नजर आए थे. उनके तमाम चाहने वाले फैंस अपने पसंदीदा एक्टर की अपकमिंग मूवीज का इंतजार कर रहे हैं. वरुण धवन की पाइपलाइन में कई फिल्में हैं. वह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग में बिजी हैं. फिल्म के सेट से उनका एक वीडियो सामने आया है. इसमें आप देख सकते हैं कि वरुण धवन गिरते-गिरते बचे हैं. उनके इस वीडियो पर लोग कमेंट कर रहे हैं. आइए जानते हैं कि वरुण धवन के साथ ये घटना कैसे हुई है.वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर उनके जूते के फीते आपस में बांध देती हैं. इसके बाद वरुण धवन चलते हैं और गिरते-गिरते बचते हैं. इस दौरान एक्ट्रेस मौनी रॉय और डायरेक्टर उन्हें संभालते हैं. इसके बाद वह संभलते हुए एक कुर्सी पर बैठते हैं. इस तरह से वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और मौनी रॉय मस्ती करती नजर आती हैं. एक्टर ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, 'इन लड़कियों द्वारा बुली किया गया.' वरुण धवन के इस पोस्ट पर फैंस जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. एक फैन ने लिखा है, 'मौनी और मृणाल बहुत शरारती हैं.' एक फैन ने लिखा है, 'मौनी और मृणाल के बीच फंस गया वरुण.' एक फैन ने लिखा है, 'इस फिल्म का इंतजार है.'

हम पाकिस्तानी सेना से नफरत करते हैं अदनान सामी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंध और भी खराब हो गए हैं. दोनों देशों के बीच का तनाव दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है. इस बीच मशहूर सिंगर अदनान सामी ने कुछ वक्त पहले की बात शेयर की है. उन्होंने बताया कि कुछ पाकिस्तानी युवाओं ने उनसे कहा था कि वे अपनी सेना को नापसंद करते हैं, क्योंकि उस सेना ने उनके देश को बर्बाद कर दिया है.अदनान सामी ने रविवार 4 मई को माइक्रोब्लोइंग साइट एक्स यानी ट्विटर पर अपने अकाउंट से किए एक ट्वीट में कहा है कि जब मैं अज़रबैजान के बाकू शहर में घूम रहा था, तब वहां मेरी मुलाकात कुछ स्वीट पाकिस्तानी लड़कों से हुई. उन लड़कों ने मुझे कहा कि सर, आप बहुत लकी हो, आप सही समय पर पाकिस्तान से निकल गए. हम भी हमारी नागरिकता बदलना चाहते हैं. हमें हमारी आर्मी से भी नफरत है. उन्होंने हमारे देश को बर्बाद कर दिया है. मैंने उन्हें कहा कि मैं बहुत पहले से ही ये बात जानता था.अदनान सामीपहले पाकिस्तान के नागरिक थे. साल 2001 में वे भारत आए और यहां उन्होंने सफलता हासिल की. बाद में उन्होंने पाकिस्तान का पासपोर्ट छोड़कर 2016 में भारत की नागरिकता ले ली.

राष्ट्रबाण विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।
तापमानः नागपुर, अधिकतम 38.4°C न्यूनतम 20.2°C
नागपुर, मंगलवार 6 मई 2025

बुलढाणा में हुई बेमौसम बारिश

बिजली गिरने से जानवरों की मौत

बुलढाणा. मौसम विभाग द्वारा बेमौसम बारिश का पूर्वानुमान सीमित रूप में ही सही साबित हुआ. जिले के कुछ हिस्सों में बेमौसम बारिश के साथ ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलीं. इस बीच, बिजली गिरने से तीन पालतू जानवरों की मौत हो गई. इससे घाट पर गर्मियों की पूरी तस्वीर बदल गई. प्रकृति का यह असामयिक कृत्य सोमवार, 5 मई की शाम को बुलढाणा जिले के घाट क्षेत्र के कुछ तालुकाओं में देखा गया. बेमौसम बारिश ने लोनार शहर और तालुका के कई गांवों को तबाह कर दिया. लोनार शहर में हल्की बारिश हुई. हालांकि, बीबी राजस्व मंडल के अंतर्गत आने वाले अधिकांश गांवों, जिनमें बीबी गांव भी शामिल है, के साथ-साथ अन्य मंडलों में भी अच्छे मतदान की खबरें हैं. सिंदखेड़ राजा और मेहकर तालुका को जोड़ने वाले बीबी गांव में बेमौसम बारिश हुई. हवा की गति बारिश से अधिक थी. इस बीच, बीबी और आसपास के गांवों में बोरी के आकार के ओले गिरे.

दुल्हनों को हुई परेशानी

परिणामस्वरूप, बीबी में आयोजित एक विवाह समारोह बुरी तरह प्रभावित हुआ. इससे दूल्हा-दुल्हन पक्ष में हड़कंप मच गया. उन्हें भागकर पास के इलाकों में शरण लेनी पड़ी.

चंद्रपुर में घोटोले का राज खोलने वाले अधिकारी की ही जांच शुरू

जिवती तहसील में संजय गांधी निराधार योजना का मामला

चंद्रपुर. जिवती तहसील में संजय गांधी निराधार योजना के लाभार्थियों ने लाभ न मिलने की शिकायतें की थीं. उस समय तहसीलदार के पद पर कार्यरत अधिकारी ने इस गंभीर मामले की जांच की. जांच में सामने आया कि कुछ कर्मचारी अवैध रूप से निराधार लाभार्थियों की राशि को अपने खातों में स्थानांतरित कर रहे थे. तहसीलदार द्वारा इस घोटाले की पूरी जानकारी जिलाधिकारी को दी गई और लाखों रुपये के गबन की रिपोर्ट सौंपी गई. लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब प्रशासन ने खुद इस घोटाले का पर्दाफाश करने वाले तहसीलदार के खिलाफ ही विभागीय जांच शुरू कर दी है. यह घोटाला वर्ष 2017 से चल रहा था, लेकिन इतने वर्षों तक किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी, यह बात भी लोगों को हैरान कर रही है.

जुलाई 2023 में अविनाश शेंबटवाड जिवती तहसील में परिवीक्षाधीन तहसीलदार के रूप में नियुक्त हुए. उनके पास संजय गांधी निराधार योजना के लाभार्थियों की कई शिकायतें आईं कि उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल रहा है. इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार शेंबटवाड ने जांच की. जांच में पाया गया कि कुछ कर्मचारियों ने मिलीभगत कर लाखों रुपये का गबन किया है. तहसीलदार ने सितंबर 2024 में जिलाधिकारी को इस पूरे घोटाले की रिपोर्ट सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. इस रिपोर्ट में 2017 से 2024 तक किए गए पूरे घोटाले का विस्तृत विवरण दिया गया था. पिछले सात-आठ वर्षों से यह घोटाला चल रहा था, लेकिन इस दौरान जिवती तहसील में कार्यरत दस से अधिक तहसीलदारों को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई, यह बात भी संदेहास्पद है. तहसीलदार शेंबटवाड की रिपोर्ट में तत्कालीन कंप्यूटर ऑपरेटर विकास येलनारे, लिपिक तालेवार और पांडुरंग नंदुरकर पर मिलीभगत से गबन करने का आरोप लगाया गया है. वर्ष 2023-24 में कुल 34 लाख 24 हजार 600 रुपये मृत लाभार्थियों के खातों से विकास येलनारे के खाते में अवैध रूप से स्थानांतरित किए गए थे. इसी प्रकार 2017 से 2023 के बीच भी लाखों रुपये का गबन किया गया था.

- हालांकि तहसीलदार ने अपनी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया कि बैंक की ओर से जांच में सहयोग नहीं मिल रहा है.
- तहसीलदार की रिपोर्ट के बाद जिलाधिकारी ने राजुरा के उपविभागीय अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की.
- जांच के दौरान 2023-24 की अवधि में कार्यरत तत्कालीन लिपिक पांडुरंग नंदुरकर ने 34 लाख 24 हजार 600 रुपये की राशि गलत खाते में जाने की बात कहते हुए सरकारी खाते में राशि जमा कर दी.
- समिति की रिपोर्ट फरवरी 2025 में जिलाधिकारी को सौंपी गई. हालांकि इस समिति ने 2017 से हुई गड़बड़ियों की जांच नहीं की, जबकि तहसीलदार शेंबटवाड ने अपनी रिपोर्ट में 2017 से गबन की जानकारी दी थी.
- इतने वर्षों से चल रहे घोटाले की जांच कर शासन को 34 लाख 24 हजार 600 रुपये की वसूली करवाने वाले तहसीलदार पर ही वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लापरवाही का आरोप लगाकर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है.
- यदि घोटालों को उजागर करने वाले अधिकारियों के खिलाफ ही कार्रवाई की जाएगी, तो भविष्य में कोई भी अधिकारी भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने की हिम्मत नहीं करेगा यह बात इस मामले से स्पष्ट होती है.

शव पेड़ से लटका मिला, हत्या या आत्महत्या ?

बुलढाणा. जलगांव जामोद विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता और विधायक डॉ. संजय कुटे के करीबी सहयोगी पंकज उत्तमराव देशमुख का शव बुरहानपुर रोड स्थित उनके खेत में एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया था. उसके शरीर पर पिटाई के निशानों के कारण शहर में इस बात पर बहस छिड़ गई है कि उसने आत्महत्या की या उसकी हत्या की गई है. उनका शव शनिवार शाम को वायला गढ़ी के पास उनके खेत में एक पेड़ से लटका हुआ मिला था. थानाध्यक्ष श्रीकांत निचलौल व पुलिस मौके पर पहुंच गई. विधायक डॉ संजय कुटे और उनके कार्यकर्ता भी उसी समय मौके पर पहुंच गए.

फास्ट ट्रैक

दत्ता मेघे मेडिकल यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आज

वर्धा. दीक्षांत समारोह हर छात्र के जीवन का सबसे खुशी का पल होता है. यह देखना अद्भुत है कि प्रतिभाशाली लोगों को उस समय कितनी खुशी होती है जब उन्हें गणमान्य व्यक्तियों से डिग्री और पदक मिलते हैं. सावंगी स्थित दत्ता मेघे मेडिकल यूनिवर्सिटी का 16वां दीक्षांत समारोह मंगलवार 6 मई को दोपहर 2 बजे यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा. इस अवसर पर अडानी फाउंडेशन की डॉ. प्रीति अडानी के साथ-साथ भारत की सर्जन जनरल वाइस एडमिरल डॉ. आरती सरीन मुख्य अतिथि होंगी. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि रहे डा. आरती सरीन भारत की सर्जन एडमिरल और सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा की पहली महिला महानिदेशक हैं. उनका पद रक्षा राज्य मंत्री के समकक्ष है. वह सशस्त्र बलों के इतिहास में सर्वोच्च रैंकिंग वाली महिला अधिकारी हैं और भारतीय नौसेना में वाइस एडमिरल का पद प्राप्त करने वाली तीसरी महिला बनीं. उन्हें सेना की तीनों शाखाओं में सेवा करने का दुर्लभ सम्मान प्राप्त है. 2024 में, डॉ. सरीन को अत्यंत विशिष्ट सेवा पदक प्राप्त होगा. उनके नाम पर विभिन्न सैन्य सम्मान भी हैं.

बुलढाणा जिला संभाग में दूसरे स्थान पर

95 प्रतिशत रहा परिणाम

बुलढाणा. बुलढाणा जिले ने फरवरी-मार्च में आयोजित कक्षा 12वीं के परिणामों में उत्कृष्ट परिणामों की अपनी परंपरा को इस वर्ष भी बरकरार रखा. 12वीं की परीक्षा के दौरान नकल मुक्त अभियान को सख्ती से लागू किया गया. बुलढाणा जिले का परिणाम 95. अमरावती संभाग में जिला 16 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है. बुलढाणा जिला मात्र 0.48 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया है. 95. वाशिम जिला 66 प्रतिशत परिणाम के साथ अमरावती संभाग में शीर्ष पर रहा है. कक्षा 12वीं के परिणाम आज, सोमवार, 5 मई को ऑनलाइन घोषित किए गए हैं. इनमें से बुलढाणा जिले ने 95.18 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है. वाशिम जिला 95. 66 प्रतिशत के साथ 'खिलाड़ी नंबर वन' घोषित किया गया है. इसकी तुलना में अकोला, अमरावती और यवतमाल जिलों का प्रतिशत 85 से 91 प्रतिशत के बीच है. इससे अमरावती संभागीय बोर्ड के परिणामों में गिरावट आई है. फरवरी-मार्च 2025 में आयोजित कक्षा 12वीं की परीक्षा के लिए नए और दोबारा परीक्षा देने वाले सहित कुल 35,784 छात्रों ने पंजीकरण कराया था. इनमें से 33,183 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं. बुलढाणा जिले का परिणाम 95.18 प्रतिशत रहा है. हमेशा की तरह, उत्तीर्णता परीक्षा में लड़कियों ने बाजी मारी है.

मेहकर तहसील अग्रणी है

इस बीच, तहसीलवार परिणामों में, मेहकर तहसील ने 98. 41 प्रतिशत परिणामों के साथ जिले में जीत हासिल की है. आदिवासी बहुल संग्रामपुर तहसील 98.38 प्रतिशत नतीजों के साथ जिले में दूसरे स्थान पर है. यह सराहनीय होना चाहिए. कुल तेरह में से अन्य तहसीलों के परिणाम इस प्रकार हैं. बुलढाणा 97. 22 प्रतिशत, 92 प्रतिशत. 57, चिखली 97. 70, देउलगांव राजा 95. 77, सिंदखेड राजा 95. 41, लोनार 92. 97, शेगांव 93. 27 प्रतिशत, नांदुरा 92. 46, मलकापुर88. 43 जलगांव जामोद 95. 73 प्रतिशत. मलकापुर सहित सभी तहसीलों का प्रतिशत 92 है. यह 46 प्रतिशत से अधिक है.

चंद्रपुर जिले का 12वीं का रिजल्ट 4.72 फीसदी गिरा

इस साल भी बेटियां शीर्ष पर

चंद्रपुर. पिछले साल की तुलना में इस साल जिले के 12वीं के रिजल्ट में 4.72 फीसदी की गिरावट आई है. पिछले साल रिजल्ट 93.89 प्रतिशत रहा था. इस वर्ष परिणाम 89.17 प्रतिशत रहा. हर साल की तरह इस साल भी लड़कियां 92.74 प्रतिशत अंकों के साथ आगे रहीं. बच्चों के परिणाम का प्रतिशत 85.69 है.

इस वर्ष 12वीं कक्षा की परीक्षा के लिए 27,380 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था. इनमें से 13,883 लड़के थे, जबकि 13,497 लड़कियां थीं. इनमें से 27,191 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी. इसमें 13,768 लड़के और 13,423 लड़कियां शामिल हैं. कुल 24,247 छात्र उत्तीर्ण हुए. इनमें 11,798 लड़के और 12,449 लड़कियां शामिल हैं. जिले का परिणाम प्रतिशत 89.17 रहा. इस वर्ष के परिणामों में लड़कियाँ आगे रहीं. लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.74 है, जबकि लड़कों का 85.69 प्रतिशत है. विज्ञान वर्ग में 12,383 विद्यार्थी पंजीकृत हैं.

- इसमें 5793 लड़के और 6590 लड़कियां शामिल थीं. इनमें से 12,354 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी. इनमें 5,777 लड़के और 6,577 लड़कियां शामिल हैं. विज्ञान वर्ग से 12,093 छात्र उत्तीर्ण हुए. इसमें 5623 लड़के और 6470 लड़कियां शामिल हैं.
- लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 98.37 प्रतिशत तथा लड़कों का 97.33 प्रतिशत है. विज्ञान स्ट्रीम का समग्र परिणाम 97.88 प्रतिशत है. कला वर्ग में कुल 12,108 विद्यार्थी पंजीकृत हुए, जिनमें 6,342 लड़के और 5,766 लड़कियां थीं. इनमें से 11,978 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी. इसमें 6262 लड़के और 5716 लड़कियां शामिल हैं. कला वर्ग से 9613 छात्र उत्तीर्ण हुए. इसमें 4923 लड़कियां और 4690 लड़के शामिल हैं.
- कला वर्ग के परिणाम का प्रतिशत 80.25 है. लड़कों का प्रतिशत 74.89 और लड़कियों का प्रतिशत 86.12 है. वाणिज्य स्ट्रीम का परिणाम 92.91 प्रतिशत रहा. इस वर्ष 1922 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया. इसमें 987 लड़के और 935 लड़कियां शामिल हैं.
- 1911 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी. इसमें 980 लड़के और 931 लड़कियां शामिल हैं. 1768 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं. लड़कों की संख्या 883 और लड़कियों की संख्या 885 है.

सासुरवाड़ी में बल्लेबाजी की राज्यमंत्री ने

मजे से गेंद मारते हुए दिखाई दिये

गोंदिया. धर्मवीर फ्लडलाइट प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन रविवार रात गोंदिया जिले के सालेकास में महाराष्ट्र के राज्य मंत्री आशीष जायसवाल ने किया. गोंदिया जिले के सुदूर सलेकासा क्षेत्र में क्रिकेट का जश्न मनाया गया और यहां तक कि राज्य के राज्य मंत्री ने भी इसमें हिस्सा लिया.

सलेकासट में क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करने के बाद जायसवाल ने उद्घाटन मैच के खिलाड़ियों का परिचय लिया और पहले मैच की शुरुआत से पहले मैदान में प्रवेश करने से पहले क्रिकेट खेल का आनंद लिया. उपस्थित अन्य खिलाड़ियों और अतिथियों ने उनकी बल्लेबाजी पर जोरदार प्रतिक्रिया व्यक्त की. मंत्री जी को क्रिकेट खेलने में बहुत आनंद आता था और वे दिल खोलकर गेंद उछालते थे. उन्होंने इस अवसर पर आशा व्यक्त की कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में खेलों के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होगी.

एक अलग आनंद

राज्य मंत्रिमंडल में नियुक्त होने के बाद यह मेरा सालेकसा का दूसरा दौरा है. धर्मवीर क्रिकेट प्रीमियर लीग के उद्घाटन में भाग लेने का अवसर देने के लिए मैं आयोजकों का आभारी हूँ. गोंदिया जिले के आमगांव और सालेकसा से मेरा विशेष लगाव है, क्योंकि आमगांव मेरा ससुराल का गांव है और मैं यहां आने के मोह से खुद को नहीं रोक पाता.

भंडारा में लड़कियों ने मारी बाजी

भंडारा. महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा मंडल की फरवरी 2025 में आयोजित कक्षा 12वीं की परीक्षा के परिणाम सोमवार को ऑनलाइन घोषित किए गए. इन परिणामों में भंडारा जिले के नूतन कन्या कन्याकुमारी महाविद्यालय ने अपना प्रभुत्व साबित किया है, जहां के विद्यार्थियों ने सभी पांच शैक्षणिक विषयों - विज्ञान, वाणिज्य, कला, व्यावसायिक और तकनीकी - में शीर्ष तीन स्थान हासिल किए हैं. नूतन कन्या जूनियर कॉलेज कॉमर्स ब्रांच की अन्या रंजीत उजवाने ने 97.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे जिले में

सफलता | नतीजों की जिलेवार जानकारी न मिलने से स्कूलों में असमंजस

NIC वेबसाइट पर कोई डेटा नहीं है

भंडारा. महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सोमवार 5 मई को हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट (एचएससी) कक्षा के परिणाम घोषित किए. परिणाम घोषित होते ही विद्यार्थियों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल बन गया. हालांकि, हर साल की तरह, बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर स्कूलवार, जिलावार, विषयवार और लिंगवार आंकड़े अभी तक उपलब्ध नहीं हैं, जिससे कई स्कूलों, शिक्षकों और प्रतिनिधियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है. रविवार रात राज्य बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि परिणाम हमेशा की तरह बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट (mahahsscboard) और एनआईसी वेबसाइट (mahre-sult.nic.in) पर उपलब्ध होंगे.

इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि स्कूल अपने 'कॉलेज लॉगिन' का उपयोग करके छात्रों के परिणाम प्राप्त करेंगे. दरअसल, आज दोपहर 1 बजे परिणाम घोषित किए गए और उसके बाद छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों को उनके व्यक्तिगत परिणाम प्राप्त हुए. हालांकि, शैक्षणिक संस्थानों द्वारा हर वर्ष अपेक्षित विस्तृत आंकड़े, जैसे कि जिलेवार परीक्षार्थियों की कुल संख्या, उत्तीर्ण प्रतिशत, टॉपरों की सूची, विषयवार और लिंगवार परिणाम, अभी तक उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण कई स्कूलों को परिणामों का विश्लेषण करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. विशेषकर कुछ निजी स्कूलों में, परिणाम के दिन का उपयोग अगले वर्ष के लिए प्रवेश प्रक्रिया की योजना बनाने के लिए किया जाता है. हालाँकि, इस वर्ष आवश्यक तुलनात्मक जानकारी के बिना सही निर्णय लेना कठिन हो गया. इससे कई प्रधानाचार्यों और शिक्षकों में असंतोष पैदा हो गया है. शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. उल्हास फड़के और शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले कुछ संगठनों ने इस पर चिंता जताई है. वे कहते हैं, "विस्तृत आँकड़े नतीज़ों के समाजशास्त्रीय, शैक्षिक और नीति विश्लेषण के लिए ज़रूरी हैं, न कि सिर्फ़ निजी इस्तेमाल के लिए. अगर नतीजों के दिन यह जानकारी उपलब्ध न हो, तो उस विश्लेषण का असर भी सीमित होता है."

- हर साल बोर्ड द्वारा परिणाम घोषित होने के कुछ ही समय बाद यह सारी जानकारी वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाती है. इसलिए, परिणामों का विश्लेषण करने के लिए काम करने वाले प्रतिनिधि कई कारकों का अध्ययन कर सकते हैं और मीडिया या जनता के सामने एक वस्तुनिष्ठ तस्वीर पेश कर सकते हैं.
- हालाँकि, इस वर्ष पहली बार यह जानकारी उपलब्ध कराने में देरी के कारण पूरी प्रक्रिया बाधित हुई है. इस पृष्ठभूमि में, कई स्कूल, प्रिंसिपल, छात्र संगठन और शिक्षाविद मांग कर रहे हैं कि यह विस्तृत जिलावार और विषयवार जानकारी तुरंत mahahsscboard.in या mahresult.nic.in पर उपलब्ध कराई जाए. शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि छात्रों के लाभ और पारदर्शिता के लिए यह आवश्यक है.
- इस पर बोर्ड की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है. हालाँकि, पिछले कई वर्षों के इतिहास को देखते हुए सभी स्तरों पर उम्मीदें व्यक्त की जा रही हैं कि यह जानकारी जल्द ही उपलब्ध हो जाएगी.

'हनी विलेज' क्या है?

अमरावती. मधुमक्खी पालन के जरिये आय बढ़ाने और गुणवत्ता सुधारने के लिए राज्य में 'हनी विलेज' योजना लागू की जा रही है. दूसरे चरण में इस योजना का विस्तार राज्य के 10 गांवों तक किया जाएगा, जिसमें अमरावती जिले का अमझारी गांव भी शामिल है. योजना के तहत इन दस गांवों के लिए 5 करोड़ 1 लाख 97 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है. राज्य में मधुमक्खी पालन एक महत्वपूर्ण उद्योग बनता जा रहा है. अध्ययनों से पता चला है कि मधुमक्खियां न केवल शहद और मोम प्रदान करती हैं, बल्कि परागण के माध्यम से फसल की पैदावार में 35 से 40 प्रतिशत की वृद्धि भी करती हैं. इसलिए, गांव की सकल आय बढ़ाने के लिए शहद गांव की अवधारणा सामने आई. राज्य सरकार ने इस योजना को राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा क्रियान्वित करने की मंजूरी दे दी है. इसके लिए 5 करोड़ 1 लाख 97 हजार रुपए के व्यय की स्वीकृति के आदेश जारी कर दिए गए हैं. इस योजना को एक और वर्ष तक जारी रखने के लिए गांव से प्रतिबद्धता पत्र ग्राम पंचायत से प्राप्त किया जाएगा. इसके अलावा, यदि अधिक धनराशि की आवश्यकता हो तो जिला कलेक्टरों को शक्तियां प्रदान की गई हैं. राज्य में शहद ग्राम योजना के क्रियान्वयन के लिए खादी ग्रामोद्योग विभाग को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है. मधुमक्खी पालन व्यवसाय से आय बढ़ाने तथा व्यावसायिक आधार पर शहद उगाकर गुणवत्ता बढ़ाने में सहायता के लिए यह योजना फरवरी 2024 से क्रियान्वित की जा रही है.

कौन सा गांव चुना गया?

मधाचे गाव
मधमाशांचे संवर्धन, निसर्गाचे संरक्षण

'हनी विलेज' योजना 10 गांवों अर्थात् घोलवड (ता. दहानू, जिला पालघर), भंडारवाड़ी (ता. किनवट, नांदेड़), बोरजर (ता. नवापुर, नंदुरबार), कक्कड़ढाबा (ता. औंधा नागनाथ, हिंगोली), चकोर (ता. त्र्यंबकेश्वर, नासिक), उद्वावणे (ता. अकोले, अहिल्यानगर), शेलमोहा (ता. गंगाखेड,) में लागू की जाएगी. परभणी), सिंधीविहिर (ता. करंजा, वर्धा), सलोशी (ता. महाबलेश्वर, सतारा) और अमज़ारी (जिला अमरावती) . अमजारी गांव के लिए 54 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है.

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।
तापमानः नागपुर, अधिकतम 38.4°C न्यूनतम 20.2°C
नागपुर, मंगलवार 6 मई 2025

विमानतल पर मिला 10 किलो गांजा

नागपुर. एयरपोर्ट पर हवाई मार्ग से पार्सल के जरिये भेजे गए 10 किलो गांजे की तस्करी का मामला सामने आया है. विमानतल पर जांच के दौरान मामले का खुलासा हुआ. ओड़िशा से पार्सल दिल्ली होते हुए उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा था. चौंकाने वाली बात यह है कि पार्सल के ऊपर प्रोटीन पाउडर का लेप लगा हुआ था, जिसके नीचे गांजा होने का खुलासा हुआ है. सोनेगांव थाने में एनडीपीएस के तहत यह मामला दर्ज किया गया जिसमें आगे की जांच जारी है.

विदर्भ की सिंचाई संबंधी समस्या कब होगी पूरी ?

CS ने HC को बताया

127 स्वीकृत परियोजनाओं में से केवल 46 ही पूरी

नागपुर. विदर्भ में राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 127 सिंचाई परियोजनाएं वन क्षेत्र में हैं. वन क्षेत्रों में सिंचाई परियोजनाओं को लागू करने के लिए केंद्रीय पर्यावरण एवं वन विभाग की मंजूरी की आवश्यकता होती है, लेकिन इस अनुमति के अभाव में अब तक स्वीकृत परियोजनाओं में से केवल 46 परियोजनाएं ही पूरी हो पाई हैं, यह जानकारी राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ में दायर हलफनामे में दी है. इसलिए, यह स्पष्ट है कि विदर्भ में सिंचाई का अभाव अभी भी बरकरार है.विदर्भ के अमरावती और वाशिम जिलों के सिंचाई बकाए का भुगतान राज्य सरकार द्वारा जून 2024 में किया गया था. हलफनामे में कहा गया है कि अकोला और बुलढाणा जिलों में बकाया क्रमशः जून 2026 और जून

2027 तक चुका दिया जाएगा. अकोला में 25,185 हेक्टेयर लंबित जल-आपूर्ति पांच सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से पूरी की जाएगी. बुलढाणा में 30 हेक्टेयर भूमि के लंबित कार्य को पूरा करने के लिए दो परियोजनाओं पर काम चल रहा है. जुलाई 2012 से जून 2024 के बीच इन चार जिलों में एक लाख 72 हजार हेक्टेयर बैकलॉग को भर दिया गया है. हलफनामे में दावा किया गया है कि इन 4 जिलों में 102 में से 80 सिंचाई परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं. राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में विदर्भ में सिंचाई परियोजनाओं के लिए 5,502 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया है. वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार ने इसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है. 5,552 करोड़ रु. इसमें से 4,370 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए तथा 4,170 करोड़ रुपये खर्च किए गए. राज्य सरकार ने दावा किया है कि इस वर्ष के बजट में उन नौ प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए वित्तीय प्रावधान है जिन पर अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है.

राज्य ने केंद्र सरकार की आलोचना की

लोकनायक बापूजी स्मारक समिति के सदस्य अमृत दीवान ने विदर्भ में अधूरी सिंचाई परियोजनाओं को लेकर जनहित याचिका दायर की है. पिछले महीने हुई सुनवाई में न्यायाधीश नितिन साम्ब्रे और न्यायमूर्ति. न्यायमूर्ति वृषाली जोशी की पीठ ने मुख्य सचिव को राज्य सरकार पर परियोजनाएं ठप करने का आरोप लगाते हुए अवमानना का मामला दायर करने का निर्देश दिया था. इसके बाद मुख्य सचिव ने हाईकोर्ट में विस्तृत हलफनामा दाखिल कर सिंचाई परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति की जानकारी पेश की. हलफनामे के अनुसार, विदर्भ के वन क्षेत्रों में 46 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 55 परियोजनाओं पर काम चल रहा है. राज्य सरकार द्वारा 17 परियोजनाएं रद्द कर दी गईं, जबकि 9 परियोजनाओं पर काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है. वन क्षेत्रों में परियोजनाओं के लिए केंद्रीय पर्यावरण एवं वन विभाग से अनुमति की आवश्यकता होती है, लेकिन इस अनुमति के अभाव में परियोजना के क्रियान्वयन में देरी हो रही है. हलफनामे में यह भी स्पष्ट किया गया है कि राज्य वन विभाग केंद्रीय वन विभाग से शीघ्र अनुमोदन प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है.

चक्रवाती तूफान का राज्य पर असर

नागपुर. राज्य और विशेषकर विदर्भ में पिछले 2 दिनों से लगातार ओलावृष्टि हो रही है. अगले 24 घंटों में विदर्भ समेत मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है. राज्य में इस समय कम दबाव के क्षेत्र और चक्रवाती हवाओं के कारण बारिश हो रही है. पिछले सप्ताह से राज्य में बेमौसम बारिश हो रही है. राज्य के कुछ हिस्सों में न केवल बारिश बल्कि तूफान और ओलावृष्टि भी हुई है. विदर्भ में भी विभिन्न स्थानों पर तूफान और ओलावृष्टि हुई है. पिछले 2 दिनों से नागपुर शहर के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि भी हुई है. अब फिर से भारतीय मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि उत्तर महाराष्ट्र, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में बेमौसम बारिश होगी. अगले कुछ दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है. 2 सप्ताह पहले राज्य में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था. सबसे अधिक तापमान विदर्भ में दर्ज किया गया. विदर्भ में तापमान एक सप्ताह तक 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा. हालांकि, उसी समय, तेज आंधी और गड़गड़ाहट के साथ ओलावृष्टि हुई और तापमान में तेजी से गिरावट आई. इस बीच, मौसम विभाग ने फिर राज्य में विभिन्न स्थानों पर बारिश के साथ ही आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी दी है.

आज ओलावृष्टि संभव

मराठवाड़ा में बुधवार से 7 तारीख तक बारिश का अनुमान है. इस समय गुजरात के ऊपर एक चक्रवाती तूफान बन रहा है. मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि इसका असर राज्य पर पड़ रहा है और अगले 5 दिनों तक राज्य में धूप के साथ-साथ भारी बारिश भी होगी. बुधवार और गुरुवार को मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ में कई स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है. भारतीय मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि गुजरात और छत्तीसगढ़ में तेज हवाओं के कारण कोंकण को छोड़कर राज्य के शेष हिस्सों में ओलावृष्टि सहित बेमौसम बारिश होने की संभावना है.

फास्ट ट्रैक

रेलवे स्टेशन पर महिला चोर गिरोह का भंडाफोड़

4 महिलाएं गिरफ्तार, 1 लाख रुपये का माल बरामद

नागपुर. नागपुर लोहमार्ग पुलिस ने नागपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से कीमती सामान चुराने वाली महिला गिरोह का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने चोरी के एक मामले में गुजरात के भावनगर निवासी 4 महिलाओं को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इन महिलाओं के कब्जे से करीब 1 लाख रुपये का चोरी का माल भी बरामद किया है.

नागपुर रेलवे स्टेशन पर चोरी की 2 अलग-अलग घटनाओं में महिलाओं के एक समूह ने यात्रियों से कीमती सामान चुरा लिया. जांच में पता चला कि यह गिरोह छोटे-छोटे बच्चों के साथ रेलवे स्टेशन क्षेत्र में डेरा डालकर आने-जाने वाले यात्रियों पर नजर रखता था और मौका मिलते ही उनका सामान उड़ा लेता था.

नागपुर लोहमार्ग पुलिस ने हाल ही में हुई 2 चोरी की घटनाओं के बाद सोमवार सुबह स्टेशन क्षेत्र में जाल बिछाया. इस बीच पुलिस ने 4 महिलाओं को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार महिलाओं की पहचान गुजरात के भावनगर की रहने वाली गीता सोलंकी, नीता सोलंकी, सोनिया सोलंकी और मीनू सोलंकी के रूप में हुई है. उनके साथ 2 छोटे बच्चे भी थे.

पुलिस जांच में यह भी पता चला

लोनार झील को अब मिली नई पहचान

‘ब्लैक मस्करेट’ पक्षी पाया गया

नागपुर. 50,000 साल पहले उल्कापिंड के प्रभाव से बना लोनार क्रेटर हमेशा से विदेशी विद्वानों के लिए शोध का विषय रहा है. ‘मी लोणारकर’ टीम ने विलुप्त हो रहे लोणार क्रेटर को संरक्षित करने के लिए काम किया और मात्र 3 वर्षों में परिणाम देखने को मिले. 2019 में पहली बार प्रवासी फ्लेमिंगो का झुंड इस क्रेटर पर पहुंचा था. तब से, कई अलग-अलग पक्षियों को पहली बार यहां देखा गया है. अब लोनार सराय में एक बहुत ही दुर्लभ ‘ब्लैक मस्करेट’ पक्षी पाया गया है. यह दुर्लभ ‘काला मस्कट’ पक्षी सुबह 8 बजे

धरातिरथा लोनार में एक पीपल के पेड़ पर देखा गया. महाराष्ट्र बर्डवॉचर्स के जिला प्रतिनिधि सचिन कपूरे सुबह पक्षी अवलोकन के लिए निकले थे, तभी उनकी नजर इस विचित्र पक्षी पर पड़ी. उन्होंने इसे देखा और चूंकि यह पक्षी अलग था, इसलिए उन्होंने इसे कैमरे में कैद कर लिया और महाराष्ट्र पक्षी मित्र संघ के पक्षीविज्ञानियों को भेज दिया. जब उनसे इस पक्षी के बारे में पूछा गया तो बताया गया कि यह दुर्लभ है और इसका नाम ‘इंडियन ब्लैक बर्ड’ है. उन्होंने यह भी कहा कि यह पक्षी इस क्षेत्र में आमतौर पर नहीं देखा जाता है. काली कस्तूरी या कस्तूरी, गायकवाड, सलाई, सफेद सालुंखी, सालभोरदा या सलोखी जैसे कई नामों से जाना जाता है. यह पक्षी मध्यम आकार के मेन कून के आकार का होता है. इसकी चोंच पीली और शरीर पूरी तरह काला होता है. मादा का गला काली धारियों सहित पीले भूरे रंग का होता है, तथा चोंच काली होती है.

शहर में होगी सबसे बड़ी सिनेमा स्क्रीन

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया एलान

नागपुर. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि नागपुर में जल्द ही दुनिया की सबसे बड़ी सिनेमा स्क्रीन होगी, उन्होंने इसे भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक क्षण और महाराष्ट्र के लिए एक गौरवपूर्ण कदम बताया. स्क्रीन के बारे में तकनीकी और तार्किक विवरण जैसे कि इसका आकार, स्थान या लॉन्च की तारीख अभी औपचारिक रूप से घोषित नहीं की गई है, लेकिन उम्मीद है कि इसमें अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल तकनीक होगी और यह वैश्विक फिल्म समारोहों, बड़ी फिल्म स्क्रीनिंग आदि के लिए एक स्थल के रूप में काम कर सकता है. फडणवीस ने इस पहल को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारतीय मनोरंजन को वैश्विक मंच पर ले जाने के दृष्टिकोण से जुड़ा एक ‘प्रतिष्ठित’ प्रयास बताया. ‘भारत नागपुर में दुनिया की सबसे बड़ी सिनेमा स्क्रीन की मेजबानी करेगा !” फडणवीस ने एक्स पर पोस्ट किया, “यह प्रतिष्ठित पहल भारतीय मनोरंजन को वैश्विक स्तर पर ले जाने के प्रधानमंत्री मोदी जी के दृष्टिकोण को दर्शाता है.” नागपुर में दुनिया की सबसे बड़ी टी सिनेमा स्क्रीन बनाने के उपक्रम का नेतृत्व हैदराबाद स्थित निर्माता अभिषेक अग्रवाल कर रहे हैं, जिन्हें ‘द कश्मीर फाइल्स’ और ‘द वैक्सीन वॉर’ के लिए जाना जाता है. साथ ही उनके यूवी क्रिएशंस फ्रैंचाइज़ी के बैनर तले बाहुबली और साहो जैसी फिल्में बनी हैं. यूवी क्रिएशंस के विक्रम रेड्डी भी इस परियोजना से जुड़े हैं. लोगों ने मनोरंजन और बुनियादी ढांचे के इस मिश्रण की सराहना की जो नागपुर को फिल्म प्रदर्शन में एक नए केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है.

50 के बाद अंधेपन और बहरेपन का खतरा ?

आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से सर्वेक्षण जारी

नागपुर. नागपुर नगर निगम दिव्यांगों पर समग्र डेटा एकत्र करने के लिए आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से एक सर्वेक्षण कर रहा है. यह सर्वेक्षण 21 प्रकार की विकलांगताओं के आधार पर किया जा रहा है. इसमें वरिष्ठ नागरिकों को होने वाली शारीरिक और मानसिक परेशानियां भी शामिल हैं. 50 से 60 वर्ष की आयु के बीच

विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है. नागपुर नगर निगम इस आयु वर्ग के किसी भी व्यक्ति से अपील कर रहा है कि यदि उसे अंधापन, बहरापन, कंपन या स्मृति हानि जैसी समस्याएं हैं, तो वे नगर निगम की आशा स्वयंसेवकों को यह जानकारी दें, जो सर्वेक्षण के लिए उनके घर आती हैं.

अब तक 12.83 प्रतिशत सर्वेक्षण पूरा

अब तक 12.83 प्रतिशत सर्वेक्षण पूरा हो चुका है. इस सर्वेक्षण का उद्देश्य शहर के दिव्यांगजनों के जीवन चक्र के आधार पर 21 प्रकार की दिव्यांगताओं के अनुसार वस्तुनिष्ठ जानकारी एकत्रित करना है तथा इसके आधार पर आगामी 5 वर्षों के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी. इस कार्ययोजना के आधार पर दिव्यांग नागरिकों के लिए प्रभावी योजनाएं, सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराना संभव हो सकेगा. नगर निगम की आशा कार्यकर्ताओं को महात्मा गांधी सेवा संघ नामक संस्था द्वारा सर्वेक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया है. सर्वेक्षण के लिए नगर पालिका की आशा कार्यकर्ता हर घर जाकर जानकारी एकत्र कर रही हैं. घर में किसी भी विकलांग व्यक्ति के बारे में जानकारी, चाहे वह जन्म, दुर्घटना, बीमारी, आनुवंशिकता या उम्र के कारण हो, आशा कार्यकर्ताओं को प्रदान की जानी चाहिए.

महाराष्ट्र बोर्ड 12वीं का रिजल्ट घोषित

शहर में बेटियां रहीं आगे

नागपुर. महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एमएसबीएसएचएसई) ने सोमवार को कक्षा 12 (एचएससी) के परिणाम घोषित कर दिए, जिसमें 91.88% छात्र उत्तीर्ण हुए. इस परीक्षा में लड़कियों ने एक बार फिर लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया, उनकी उत्तीर्णता प्रतिशतता 94.58% रही, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.51% रहा. मार्च में आयोजित परीक्षा के लिए कुल 14,27,085 विद्यार्थियों ने

पंजीकरण कराया था, जिनमें से 14,17,969 उपस्थित हुए और 13,02,873 उत्तीर्ण हुए. कोंकण डिवीजन 96.74% पास प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद कोल्हापुर 93.64%, मुंबई 92.93%, छत्रपति संभाजी नगर 92.24%, अमरावती 91.43%, पुणे 91.32%, नासिक 91.31%, नागपुर 90.52% और लातूर 89.46% है. यह पहली बार है कि एचएससी परिणाम मई के पहले सप्ताह में घोषित किए गए हैं. छात्रों को उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रवेश पूरा करने के लिए पर्याप्त समय देने के लिए, जिसमें कक्षा 12वीं की परीक्षा के बाद विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होना भी शामिल है, महाराष्ट्र राज्य बोर्ड ने एचएससी परीक्षाएं सामान्य से पहले शुरू कर दी हैं.

ब्राह्मण महासंघ के विरोध के बाद

फिल्म ‘फुले’ ने जुटाई भीड़

नागपुर. महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खोलने वाले महान समाजसेवी महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन पर आधारित हिंदी फिल्म को नागपुर में अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार पार्टी द्वारा महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले पर आधारित फिल्म ‘फुले’ का एक ‘विशेष शो’ सोमवार को नागपुर के सदर स्थित बूटी (मेमोरी) सिनेमा हॉल में आयोजित किया गया था. ब्राह्मण महासंघ ने इस फिल्म पर आपत्ति जताई थी. महासंघ ने यह भी भविष्यवाणी की कि फिल्म सांप्रदायिक संघर्ष को पुनः भड़का सकती है. ब्राह्मण रक्षा मंच नामक संगठन इस फिल्म का सबसे ज्यादा विरोध कर रहा है. संगठन ने फिल्म पर ब्राह्मणों की छवि खराब करने और उन्हें गलत तरीके से चित्रित करने का आरोप लगाया था. फिल्म ‘फुले’

महात्मा ज्योतिबा फुले और क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के सामाजिक सुधार के संघर्ष पर आधारित है. प्रतीक गांधी ने महात्मा फुले की भूमिका निभाई है और अभिनेत्री पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले की भूमिका निभाई है. महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर महिला शिक्षा, जाति उन्मूलन और सामाजिक समानता के लिए लड़ाई लड़ी. उन्होंने ब्रिटिश भारत में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया. किसानों और वंचित समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी. उनकी प्रेरणादायक कहानी अब रूपहले पर्दे पर आ गई है. दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म न केवल ऐतिहासिक घटनाओं की समीक्षा करती है, बल्कि सामाजिक समानता की लड़ाई को भी नई पीढ़ी के सामने लाती है. कुछ संगठनों ने फिल्म फुले के कुछ दृश्यों और संवादों पर आपत्ति जताई थी.

समस्या पत्नी को नाम से पुकारा और कहा बिजली बिल भरो...

महावितरण कर्मचारी की शादी में शरारत

नागपुर. राज्य सरकार महावितरण कंपनी के साथ मिलकर कर्मचारियों की मदद से बिजली बिलों की वसूली के लिए लगातार विभिन्न अभियान चलाती है. काम का बोझ बढ़ने की बात कहते हुए श्रमिक संघ ने इस बात पर भी रोष व्यक्त किया कि विभिन्न कर्मचारियों को बिल वसूली का कार्य सौंपा जा रहा है. इस बीच, महावितरण की एक विवाहित कर्मचारी को लेकर एक मजाक वायरल हो गया है. इसमें उन्होंने अपनी पत्नी के नाम का उपयोग करते हुए सीधे तौर पर नागरिकों से महावितरण से बिजली बिल का भुगतान करने की अपील की है. आइये इस ट्रिक के बारे में जानें.

मुंबई के कुछ हिस्सों को छोड़कर, राज्य में हर जगह बिजली की आपूर्ति महावितरण द्वारा की जाती है. महावितरण का बकाया बढ़ता जा रहा है और कंपनी वित्तीय संकट में है. इस बीच, महावितरण राज्य के सभी हिस्सों में बिजली बिल बकाया की वसूली पर जोर दे रहा है. इसके लिए अधिकारियों से लेकर संविदा

कर्मचारियों तक को वसूली की अलग-अलग जिम्मेदारियां दी जा रही हैं. इस बीच, विभिन्न श्रमिक संघों ने तकनीकी कर्मचारियों को बिजली बिल एकत्र करने की जिम्मेदारी दिए जाने पर आपत्ति जताई है और समय-समय पर विरोध प्रदर्शन के माध्यम से अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई है. इस बीच, नागपुर के एक महावितरण कर्मचारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो बिजली बिल भुगतान के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रहा है. यह सुबोध चहांडे का वीडियो है. सुबोध नागपुर शहर में महावितरण के महल डिवीजन में मशीन ऑपरेटर के रूप में काम करते हैं. उन्होंने 27 अप्रैल 2025 को अमरावती जिले में श्रद्धा से विवाह किया. दोनों का विवाह समारोह अगले दिन, 28 अप्रैल, 2025 को नागपुर के दिघोरी में नरसाला मेन रोड के एक लॉन में हुआ. शादी के बाद से उनके घर में लगातार विभिन्न रोचक कार्यक्रम होते रहे हैं. इसमें खाना पकाने का कार्यक्रम भी शामिल था. इस बीच, उखाणे में सुबोध ने अपनी पत्नी के नाम का इस्तेमाल करते हुए उपभोक्ताओं से अपने बिजली बिल का भुगतान करने की अपील की और महावितरण के साथ सहयोग करने की भी अपील की. इस बीच, जहां एक ओर विभिन्न श्रमिक संघ महावितरण के एक कर्मचारी को दी गई अतिरिक्त जिम्मेदारी पर रोष व्यक्त कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महावितरण का एक नया युवा कर्मचारी ग्राहकों से सीधे अपने बिजली बिल का भुगतान करके सहयोग करने की अपील कर रहा है. महावितरण के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा उनकी प्रशंसा की जा रही है.

महावितरण पर कितनी राशि बकाया है?

लोकसभा और विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में सरकार की ‘मुफ्त बिजली’ की घोषणा और इस अवधि के दौरान बिजली बकाया वसूली के प्रति ‘महावितरण’ की अक्षम्य उपेक्षा के कारण सभी उपभोक्ताओं का बिजली बिल बकाया बढ़कर 98,000 करोड़ रुपये हो गया है. चौंकाने वाली बात यह है कि अकेले कृषि पंपों का बकाया बिल 75 हजार करोड़ से अधिक है. सूत्रों का कहना है कि बकाया राशि का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है और यह एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को भी पार कर गया है.

आईसीसी रैंकिंग में भारत का दबदबा, दो फॉर्मेट में नंबर-1

नई दिल्ली. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मेंस क्रिकेट टीम की एनुअल रैंकिंग जारी कर दी है. तीन में से दो फॉर्मेट में भारतीय टीम बाजी मारने में कामयाब रही है. वहीं, एक फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया नंबर-1 बनी हैं, दूसरी और भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान का एनुअल रैंकिंग में काफी बुरा हाल देखने को मिला है. पाकिस्तान की टीम तीनों ही फॉर्मेट में काफी भारत से काफी पीछे है. यह एनुअल रैंकिंग मई 2024 से अब तक खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो साल के मैचों के 50 प्रतिशत वेटेज से बनाई गई है.

टीम इंडिया ने पाकिस्तान को रौंदा

टीम इंडिया ने वाइट बॉल फॉर्मेट में अपना दबदबा बरकरार रखा है. भारत वनडे और टी20 फॉर्मेट में नंबर-1 बनने में कामयाब रही है. वहीं, टेस्ट का ताज ऑस्ट्रेलिया के नाम सजा है. भारत को वनडे रैंकिंग में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का फायदा मिला है. इससे उसके रेटिंग अंक 122 से बढ़कर 124 हो गए हैं. दूसरी ओर टी20 में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत टॉप पर है, हालांकि दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया पर उसकी बढ़त 10 से घटकर नौ अंक हो गई है. इसके अलावा मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट टीम रैंकिंग में अपना टॉप स्थान बरकरार रखा है, हालांकि नए अपडेट के बाद उसकी बढ़त 15 से घटकर 13 अंक रह गई है. ऑस्ट्रेलिया के 126 रेटिंग अंक हैं.

पाकिस्तान की बात की जाए तो तीनों ही फॉर्मेट में उसका काफी बुरा हार है. टेस्ट में वह 7वें स्थान पर है. वनडे की बात की जाए तो वह 5वें और टी20 में 8वें स्थान पर रही है. यानी किसी भी फॉर्मेट में वह भारत के आसपास नहीं है. मई 2024 से अप्रैल 2025 के बीच उनका प्रदर्शन काफी खराब रहा है. वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप में लीग स्टेज से ही बाहर हो गई थी. इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था. मेजबान देश होने के बावजूद इस टूर्नामेंट में भी वह लीग स्टेज से ही बाहर हो गई थी.

इंग्लैंड-न्यूजीलैंड की टीमों को हुआ फायदा

वनडे रैंकिंग में चैंपियंस ट्रॉफी में उपविजेता न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गया है. ऑस्ट्रेलिया अब तीसरे स्थान पर है. वहीं, श्रीलंका चौथे स्थान पर आ गया है. टी20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है. इंग्लैंड तीसरे नंबर पर, जबकि न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर हैं. इनके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे का नंबर आता है.

टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड को फायदा हुआ है. वह साउथ अफ्रीका और भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नंबर पर आ गया है. साउथ अफ्रीका तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है. उनके बाद न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे है.

आईपीएल 2025 में प्लेऑफ की टक्कर तेज

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 अब प्लेऑफ की ओर बढ़ रहा है. टॉप-4 में पहुंचने के लिए सभी टीमों के बीच रेस तेज हो गई है. अभी तक 54 मैच खेला जा चुके हैं, लेकिन कोई भी टीम अभी तक प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की नहीं कर सकी है. इसी बीच भारतीय टीम से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है. दरअसल, इंडिया ए और सीनियर मेंस टीम को आईपीएल 2025 के बाद इंग्लैंड के दौरे पर जाना है. इस दौरे पर इंडिया ए की टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ तीन चार दिवसीय मैच खेलेगी. वहीं, टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट टेस्ट मैच खेलने हैं.

दरअसल, आईपीएल 2025 का अंत 25 मई को होगा. लीग का फाइनल मैच कोलकाता में खेला जाएगा. लेकिन इसी दिन इंडिया ए की टीम इंग्लैंड के लिए रवाना हो सकती है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसके लिए अपनी तैयारी भी शुरू कर दी हैं. हालांकि, अभी तक टीम का चयन नहीं किया गया है. इसके बावजूद बीसीसीआई ने कई खिलाड़ियों से संपर्क किया है और उनके पासपोर्ट, जर्सी के साइज लॉजिस्टिक्स टीम की ओर से लिए गए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, 25 मई को इंग्लैंड के लिए वो खिलाड़ी रवाना होंगे, जो आईपीएल के नॉकआउट में नहीं खेलेंगे. बाकी खिलाड़ी लीग के खत्म होने के बाद रवाना होंगे. अजीत अगरकर की अगुवाई सेलेक्शन कमेटी जल्द ही टीम का चयन भी करेगी. बता दें, इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की ये सीरीज 30 मई से शुरू होगी. सीरीज का पहला मैच कैंटरबरी में खेला जाएगा. वहीं, सीनियर टीम 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी.

जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पहली सीरीज भी होगी.भारत की सीनियर टीम जून के पहले महीने में इंग्लैंड के लिए रवाना हो सकती है. 5 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय खिलाड़ी इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी खेलेंगे. हालांकि, कुछ सीनियर खिलाड़ी एक अनौपचारिक टेस्ट मैच खेलना चाहते हैं, यानी उन्हें उन्हें इंडिया ए में खेलने का मौका मिल सकता है.

पंजाब किंग्स की धमाकेदार जीत

प्लेऑफ के करीब पहुंची टीम

धर्मशाला. आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स का शानदार प्रदर्शन जारी है. श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीजन वो लगातार नई बुलंदियों को छू रही है. 4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए अहम मुकाबले में भी यही देखने को मिला. पीबीकेएस ने अपने दूसरे होमग्राउंड धर्मशाला में एलएसजी को बुरी तरह हराया. उसने 37 रनों के बड़े अंतर से मुकाबला जीता. अब 11 मुकाबलों में उसके 15 अंक हो गए हैं. इसके साथ ही 11 साल बाद उसने एक बड़ा कारनामा भी कर दिया है. आइये जानते हैं इसके बारे में.

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब ने धर्मशाला में पहले बैटिंग करते हुए 236 रन बनाए. इसके बाद उसने लखनऊ सुपर जायंट्स को 199 रन पर ही रोक दिया. इस तरह टीम ने मौजूदा सीजन में 7वीं जीत दर्ज की. अब 15 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में वो दूसरे स्थान पर चली गई है. दरअसल, 11 साल बाद ऐसा हुआ है, जब पंजाब की टीम ने लीग स्टेज में 14 से ज्यादा अंक हासिल किए हैं. इससे पहले उसने 2014 में 10 मैचों में 8 जीत के साथ 16 अंक हासिल किए थे. वहीं पूरे सीजन में टीम ने 22 अंक कमाए थे. आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के पास अभी भी 3 मुकाबले बचे हुए हैं. अगर वो इन तीनों में जीतने में कामयाब होती है तो उसके पास 21 अंक हो जाएंगे. हालांकि, वो 2014 के सीजन के बराबर अंक हासिल नहीं कर सकेगी लेकिन लीग स्टेज में ये उसका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा. श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ये सब संभव हुआ है.

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक और कमाल हुआ है. दरअसल, 12 साल के बाद धर्मशाला में पंजाब किंग्स की टीम को सफलता मिली है. 2013 के बाद उसने पहली बार इस मैदान पर जीत हासिल की है. अब एडम गिलक्रिस्ट के बाद इस मैदान पर पंजाब किंग्स के लिए मैच जीतने वाले श्रेयस अय्यर दूसरे कप्तान बन गए हैं. गिलक्रिस्ट ने यहां 5 मुकाबले जीते हैं. पिछली बार पंजाब किंग्स ने 2013 में इस मैदान पर मुंबई इंडियंस को हराया था. हालांकि इसके बाद कई साल तक यहां मुकाबले नहीं खेले गए. मगर पिछले 2 सीजन में धर्मशाला में पंजाब ने 4 मैच खेले और चारों में उसे शिकस्त ही मिली थी.

दोनों 'दुबे ' को मिला हीरो बनने का मौका, दोनों रहे फ्लॉप

नई दिल्ली. कहते तो हैं कि चौबे चले थे छबे बनने, बन गए दुबे. लेकिन, हमारी आईपीएल की स्टोरी में किरदार पहले से ही सिर्फ एक हैं और वो हैं- दुबे जी. एक वो दुबे जिन्हें उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी ने 12 करोड़ में रिटेन किया था. और दूसरे वो दुबे जिन्हें पहले वाले से 11.20 करोड़ रुपये की कम कीमत पर खरीदा गया था. यानी, उनकी फ्रेंचाइजी ने उन्हें सिर्फ 80 लाख रुपये में खरीदा था. लेकिन, आईपीएल 2025 में जब मौका मिला तो ना 12 करोड़ वाले दुबे जी चले और ना ही 80 लाख वाले. 24 घंटे के अंतराल पर दोनों को सेम टू सेम एक जैसे काम को अंजाम देकर हीरो बनने के मौके मिले थे. मगर दोनों ही फेल रहे.

दोनों दुबे से एक जैसा काम ना हुआ

जानना चाहते हैं आईपीएल 2025 में एक ही जैसे काम को अंजाम देने में फेल हुए ये दोनों दुबे जी हैं कौन? उनमें एक हैं 12 करोड़ रुपये में सीएसके से जुड़े शिवम दुबे और दूसरे हैं 80 लाख रुपये में राजस्थान रॉयल्स का दामन थामने वाले शुभम दुबे. अब सवाल है कि दोनों को एक जैसे ही काम करने के मौके मिले कब और कहां? तो ऐसा आईपीएल 2025 के मंच पर ही हुआ.

3 मई को शिवम दुबे फेल, 4 मई को शुभम दुबे फेल

3 मई की शाम जैसी सिचुएशन चेन्नई सुपर किंग्स के शिवम दुबे के सामने पैदा हुई. ठीक वैसे ही हालात 4 मई की शाम राजस्थान रॉयल्स के शुभम दुबे के सामने भी बने. 3 मई को शिवम दुबे को भी आरसीबी के खिलाफ मैच की अंतिम 3 गेंदों पर 13 रन बनाने का टारगेट मिला था. और 4 मई को वही 13 रन 3 गेंदों पर बनाने को शुभम दुबे को भी केकेआर के खिलाफ बनाने को मिले. मगर ना तो शिवम दुबे लक्ष्य को भेद सके और ना ही शुभम दुबे. दोनों दुबे की नाकामी का सिला उनकी टीमों को हार के तौर पर भुगतना पड़ा.

दोनों दुबे की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर

बड़ी बात ये है कि अब दोनों दुबे जी की टीम आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर है. शिवम दुबे की टीम सबसे पहले रेस से बाहर होने वाली टीम बनीं. वहीं शुभम दुबे की टीम राजस्थान रॉयल्स ने उसके पीछे नंबर लगाया.

राबिया सिद्धू आईं सुर्खियों में संभाली पिता के चैनल की कमान

नई दिल्ली. नवजोत सिंह सिद्धू की बेटी राबिया वैसे खबरों से दूर ही रहती हैं. सचिन की बेटी सारा तेंदुलकर जितनी, इनकी उतनी चर्चा नहीं होती. लेकिन फिलहाल वो खबरों में हैं अपने पिता के लॉन्च किए चैनल की जिम्मेदारी संभालने को लेकर. सिंगापुर और लंदन जैसी जगहों से पढ़ाई करने वाली राबिया के बारे में और ज्यादा उनकी कुछ दिलकश तस्वीरों के जरिए जाना जा सकता है. कहते हैं तस्वीरें बोलती हैं. वो तस्वीरें भी राबिया सिद्धू की जिंदगी को बयां करती दिखती है. राबिया सिद्धू ने खुद उन दिलकश तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम पर अपलोड किया है. राबिया की उन तस्वीरों को देखकर पता चलता है कि वो एक बिंदास, बोल्ड और जिंदादिल लड़की हैं. उन्हें कैमरा पसंद है. उन्हें अलग-अलग अंदाज में तस्वीरें खिंचाना पसंद है.

मोहम्मद शमी को मिली जान से मारने की धमकी

केस दर्ज

नई दिल्ली. उत्तर प्रदेश के अमरोहा के रहने वाले भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कों जान से मारने की धमकी मिली है, धमकी मेल के जरिए मिली है. इस मामले में मोहम्मद शमी के भाई हसीब ने अमरोहा पुलिस को घटना के संबंध में जानकारी दी है, जिसके बाद अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के आदेश पर अमरोहा साइबर सेल में घटना की एफआईआर दर्ज कर ली है. बता दें, मोहम्मद शमी इस समय आईपीएल में खेल रहे हैं और वह सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का हिस्सा हैं.क्रिकेटर मोहम्मद शमी के भाई हसीब ने अमरोहा के पुलिस अधीक्षक को बताया कि मोहम्मद शमी के मेल पर रविवार को राजपूत सिंधर नाम की मेल आईडी से एक मेल आया. इस मेल में उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है. मेल में लिखा गया, 'तुझे हम जान से मार देंगे.

सरकार हमारा कुछ नहीं कर पाएगी.' मोहम्मद शमी के भाई हसीब का कहना है कि इस मेल के आधार पर पुलिस में शिकायत की गई है. दूसरी ओर, पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद ने घटना के सबंध में बताया की उक्त प्रकरण में शमी के भाई हसीब ने तहरीर दी है, जिसमें आरोपी की ओर से मेल के जरिए एक करोड़ रुपये की रंगदार मांगी गई है ओर ये भी कहा गया है यदि एक करोड़ रुपए नहीं दिए गए तो अंजाम बुरा होगा, इसी आधार पर शमी के भाई हसीब की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है.मोहम्मद शमी मौजूदा समय में भारत के सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक हैं.

सीएसके की हालत बदतर, 11 में 9 हार अब एक और झटका

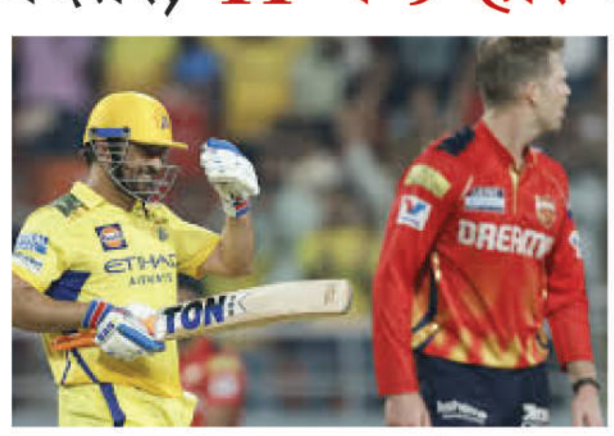

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन काफी खराब रहा है. वह 11 मैचों में 9 हार के साथ पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे चल रही है. अब उसके सिर्फ 3 मैच बाकी है. इसी बीच चेन्नई सुपर किंग्स का एक युवा खिलाड़ी चोट से चलते बचे हुए सीजन से बाहर हो गया है. चेन्नई सुपर किंग्स ने इस खिलाड़ी के रिप्लेसमेंट का ऐलान भी कर दिया है. सीएसके की टीम ने एक ऐसे खिलाड़ी को अपने स्क्वॉड में शामिल किया है, जो 28 गेंदों पर शतक जड़ने का कारनामा कर चुका है.

28 गेंद में शतक ठोकने वाले खिलाड़ी की सीएसके में एंट्री

चेन्नई सुपर किंग्स के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज वंश बेदी चोट के चलते आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं. वंश बेदी को बाएं टखने में लिगामेंट फटने के कारण टीम से अलग होना पड़ा है. उन्हें इस सीजन में अभी तक खेलने का मौका भी नहीं मिला था. उनकी जगह चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने स्क्वॉड में गुजरात के लिए खेलने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल को शामिल किया है. उर्विल ने भारत के घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में कमाल का प्रदर्शन किया था और सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था.

उर्विल पटेल वो ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में इंदौर में त्रिपुरा के खिलाफ 28 गेंदों में सेंचुरी ठोकी थी और सबसे तेज टी20 शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए थे. लेकिन इससे पहले उर्विल पटेल आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे. वह भारत के लिस्ट ए में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी हैं. उन्होंने 2023 में विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 41 गेंदों पर शतक लगाया था. उर्विल पटेल अभी तक 47 टी20 मैचों में 26 की औसत से 1162 रन बना चुके हैं, जिसमें 4 अर्धशतक और 2 शतक शामिल हैं. उन्होंने ये रन 170.38 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं.

उर्विल पटेल उन तीन खिलाड़ियों में से एक थे जिन्होंने हाल ही में सीएसके की ओर से आयोजित मध्य-सीजन के ट्रायल में भाग लिया था. ये ट्रायल 27 और 28 अप्रैल को चेन्नई में आयोजित किए गए थे. इससे पहले आयुष म्हात्रे और उर्विल पटेल को एक साथ ट्रायल के लिए बुलाया गया था. लेकिन कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के रिप्लेसमेंट के लिए उर्विल को बाहर करके आयुष को चुना गया था.

मनीष पांडे को क्यों नहीं मिला धोनी-रोहित जैसा सम्मान?

नई दिल्ली. पांडे सिर्फ सलमान खान की फिल्म 'दबंग' में ही कमाल नहीं करते. आईपीएल में भी कमाल करते हैं. धमाल मचाते हैं. शुरू से. मतलब जब से आईपीएल शुरू हुआ तब से ही. ठीक वैसे ही जैसे धोनी मचाते आए हैं. रोहित और विराट मचाते आए हैं. मगर सवाल ये है कि जो मान और सम्मान आईपीएल के 18 साल पूरे होने पर धोनी, रोहित और विराट को मिला. वो पांडे यानी मनीष पांडे को क्यों नहीं. ये भी तो उनके साथ साथ आईपीएल के सभी 18 सीजन का हिस्सा रहे हैं. फिर इनकी अनदेखी क्यों?

आईपीएल 2025 में केकेआर से जुड़े हैं मनीष पांडे

मनीष पांडे आईपीएल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय हैं. उन्होंने ये कमाल आईपीएल के दूसरे सीजन यानी आईपीएल 2009 में किया था. उस सीजन में आरसीबी की ओर से खेलते हुए मनीष पांडे ने डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ धमाकेदार शतक लगाते हुए 114 रन बनाए थे. अब आईपीएल के 18वें सीजन यानी आईपीएल 2025 में वो कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा हैं. केकेआर ने उन्हें 75 लाख रुपये में खुद से जोड़ा है.

पांडे के साथ गजब कर दिए आईपीएल वाले

आईपीएल के 18वें साल तक के सफर में लगातार साथ बने रहने के लिए धोनी, रोहित और विराट को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. जाहिर है वैसा ही सम्मान मनीष पांडे का भी होना चाहिए था. लेकिन, जिस तरह की तस्वीरें धोनी, रोहित और विराट की सामने आईं, वैसी सम्मानित होने वाली तस्वीर मनीष पांडे की देखने को नहीं मिली. सवाल है क्यों? और, सबसे बड़ी बात की मनीष पांडे को सम्मानित करने को लेकर आईपीएल आयोजकों की तरफ से सब चुप क्यों है?

जब उपलब्धि एक सी तो मान-सम्मान क्यों नहीं?

जैसे क्रिकेट के नियम कायदे हर खिलाड़ी के लिए एक समान होने चाहिए, ठीक वैसे ही एक सी उपलब्धि पर हर खिलाड़ी का सम्मान भी एक जैसा ही होना चाहिए. मगर मनीष पांडे के केस में ऐसा देखने को नहीं मिला. जो मान और सम्मान धोनी, रोहित और विराट का हुआ, वो उनका नहीं हुआ.

आईपीएल के 18 साल और मनीष पांडे

आईपीएल की पिच पर 18 साल बिताने के बाद मनीष पांडे के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने इस दौरान 7 टीमों के लिए परफॉर्म किया, जिनमें- मुंबई इंडियंस, आरसीबी, पुणे वॉरियर्स, केकेआर, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स शामिल रही. इन 7 टीमों से उन्होंने 172 मैच अब तक खेले हैं, जिसकी 160 पारियों में उन्होंने 3869 रन, 1 शतक के साथ बनाए हैं.

27 करोड़ के ऋषभ पंत रहे फ्लॉप

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के कप्तान और इस सीजन के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत से फैंस को काफी उम्मीदें थीं। 27 करोड़ रुपये में खरीदे गए पंत से उम्मीद की जा रही थी कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी से विपक्षी गेंदबाज़ों की बखिया उधेड़ देंगे, लेकिन अब तक का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है।आईपीएल 2025 में आधा से ज़्यादा सीजन निकल चुका है और ऋषभ पंत का बल्ला पूरी तरह शांत रहा है। उन्होंने अब तक खेले गए 11 मैचों की 10 पारियों में सिर्फ 128 रन बनाए हैं, जिसमें से भी 63 रन एक ही पारी में आए हैं। उनका बल्लेबाज़ी औसत मात्र 12.80 का है और स्ट्राइक रेट भी 99.22 पर सिमटा हुआ है। जो कि कम से कम 10 पारियां खेलने वाले खिलाड़ियों में सबसे खराब है। कप्तान के तौर पर भी पंत का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 11 में से सिर्फ 5 मुकाबले जीते हैं, और उनका नेट रन रेट -0.469 है। टीम 10 अंकों के साथ आईपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है। प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म होती नज़र आ रही हैं। लखनऊ सुपरजायंट्स ने अपने पिछले 5 मैचों में से 4 हारे हैं, और जो एक मुकाबला जीता, वह भी राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सिर्फ 2 रन से जीत पाया।